बागवानी

Copyright© 2005MarkDickson.www.atp

निर्देश –अवलोकन कार्ड दिखाकर चर्चा करें।

बागवानी

कम–ज्यादा –

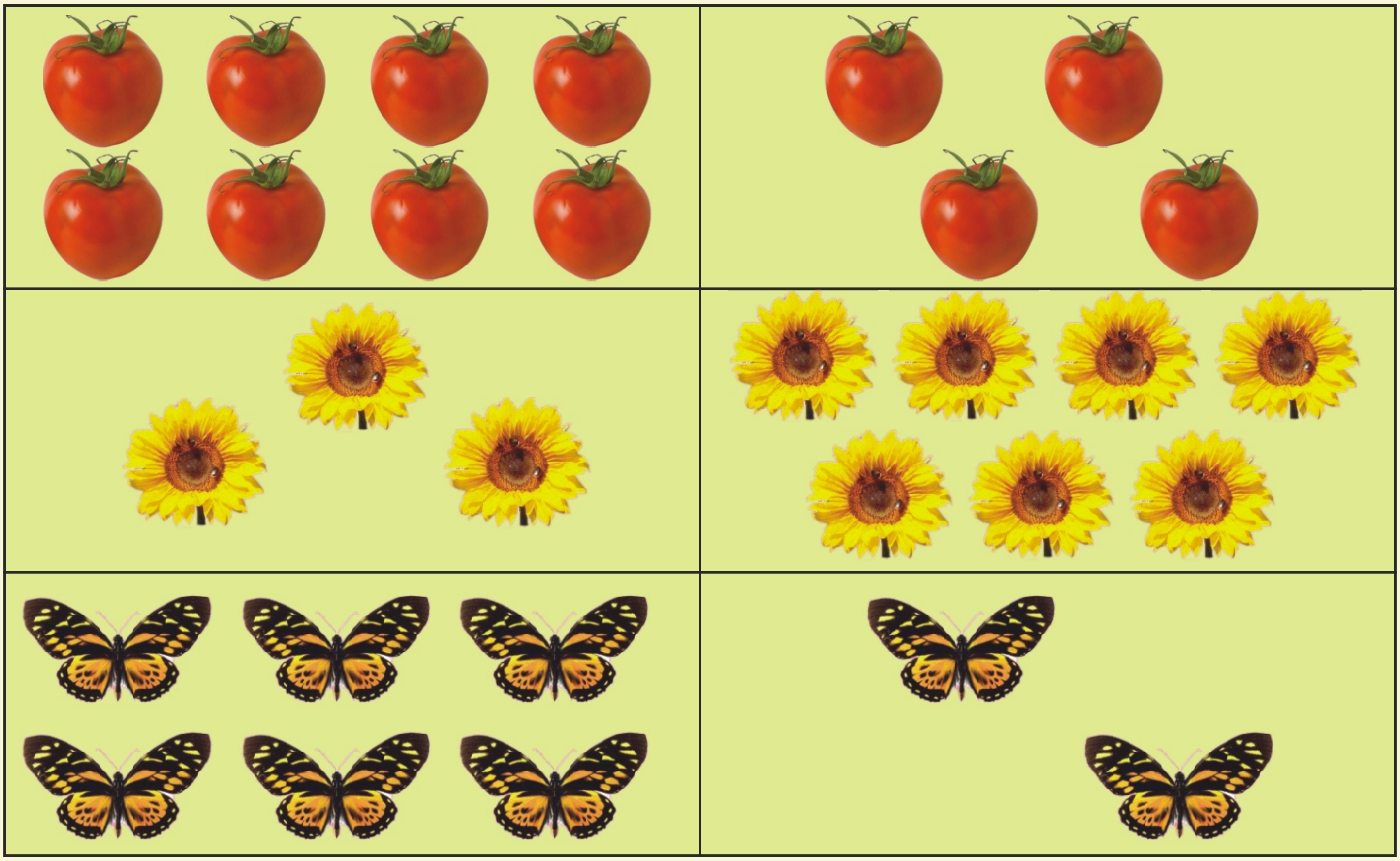

तर्क विवेचन –

प्रश्न –1. किस पेड़ में फल जल्दी लगेंगे? 2. तितली किस फूल में ज्यादा देर तक बैठेगी?

बागवानी

दृश्य विभेदीकरण

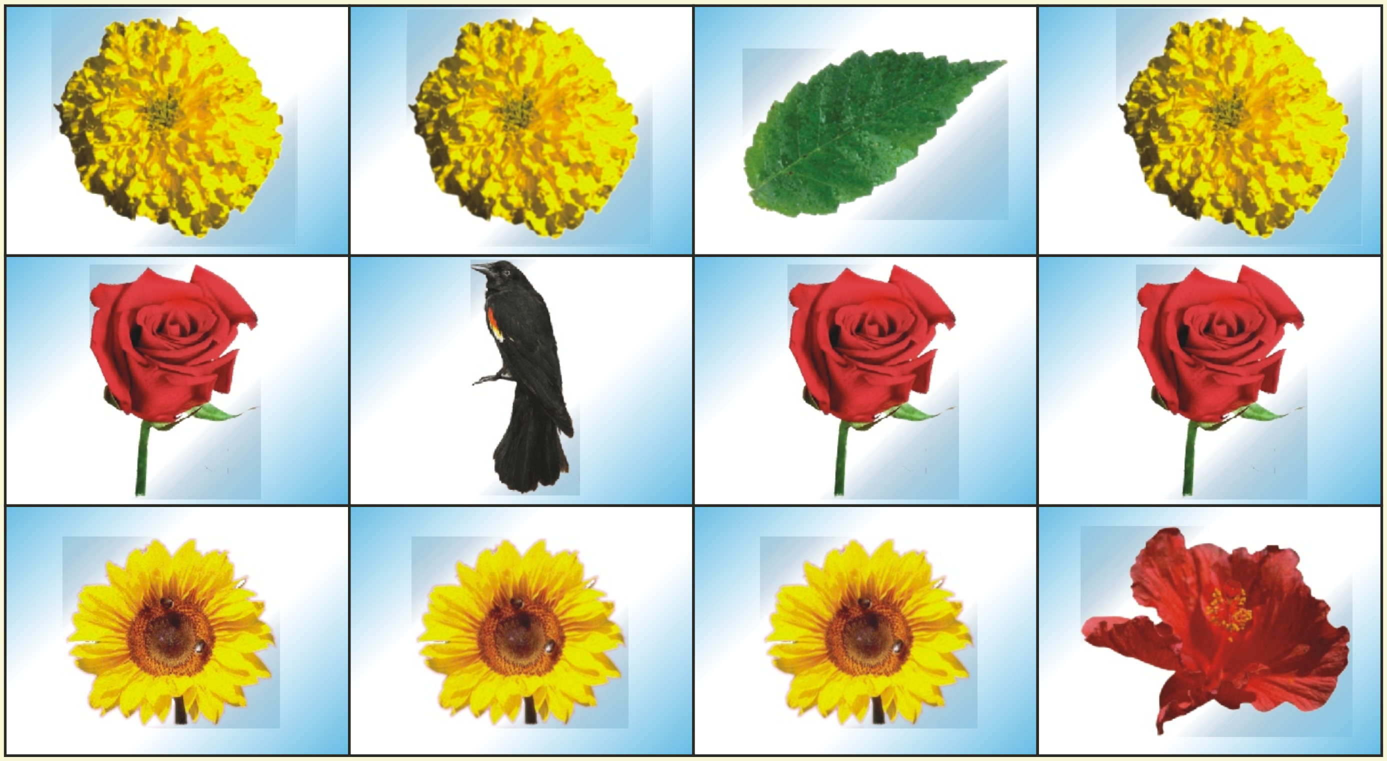

बीज से पौधे तक का क्रमिक विकास।

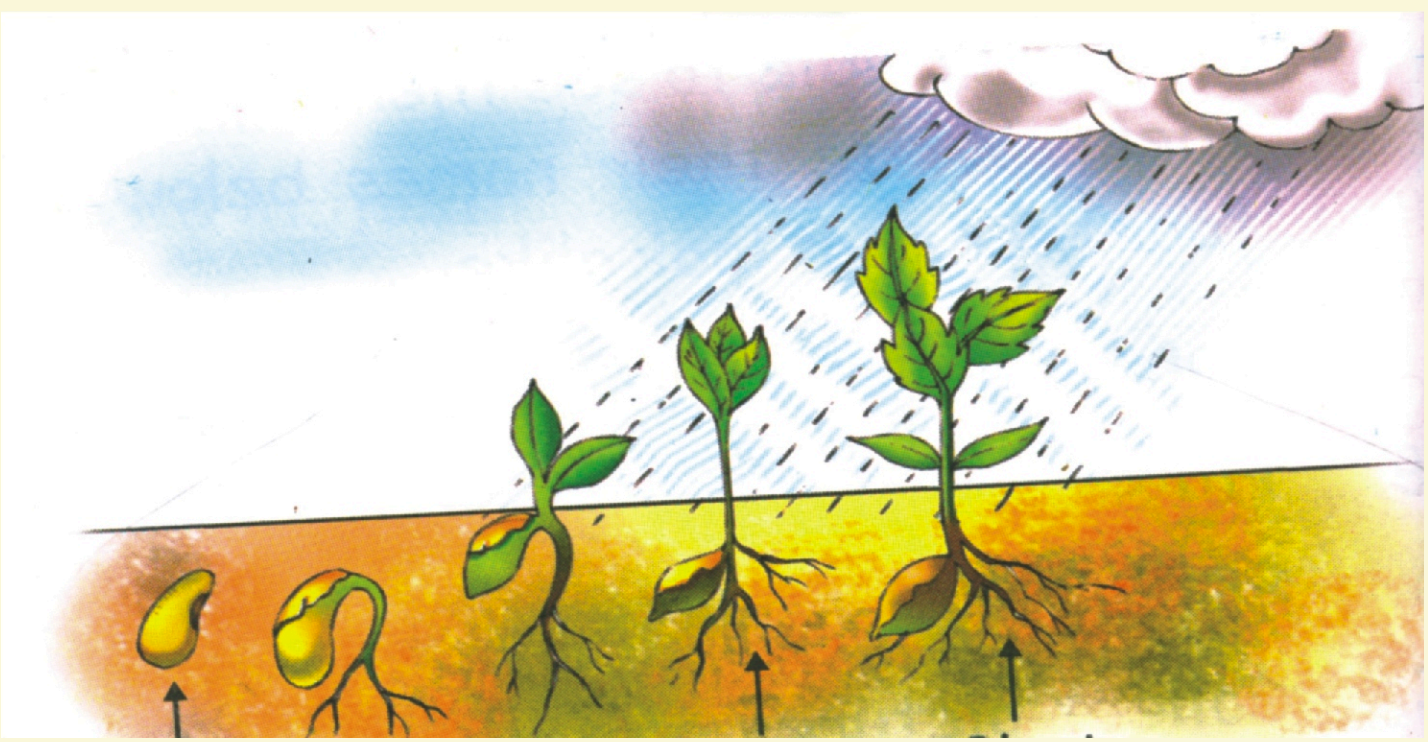

बागवानी

रंग पहचानना –

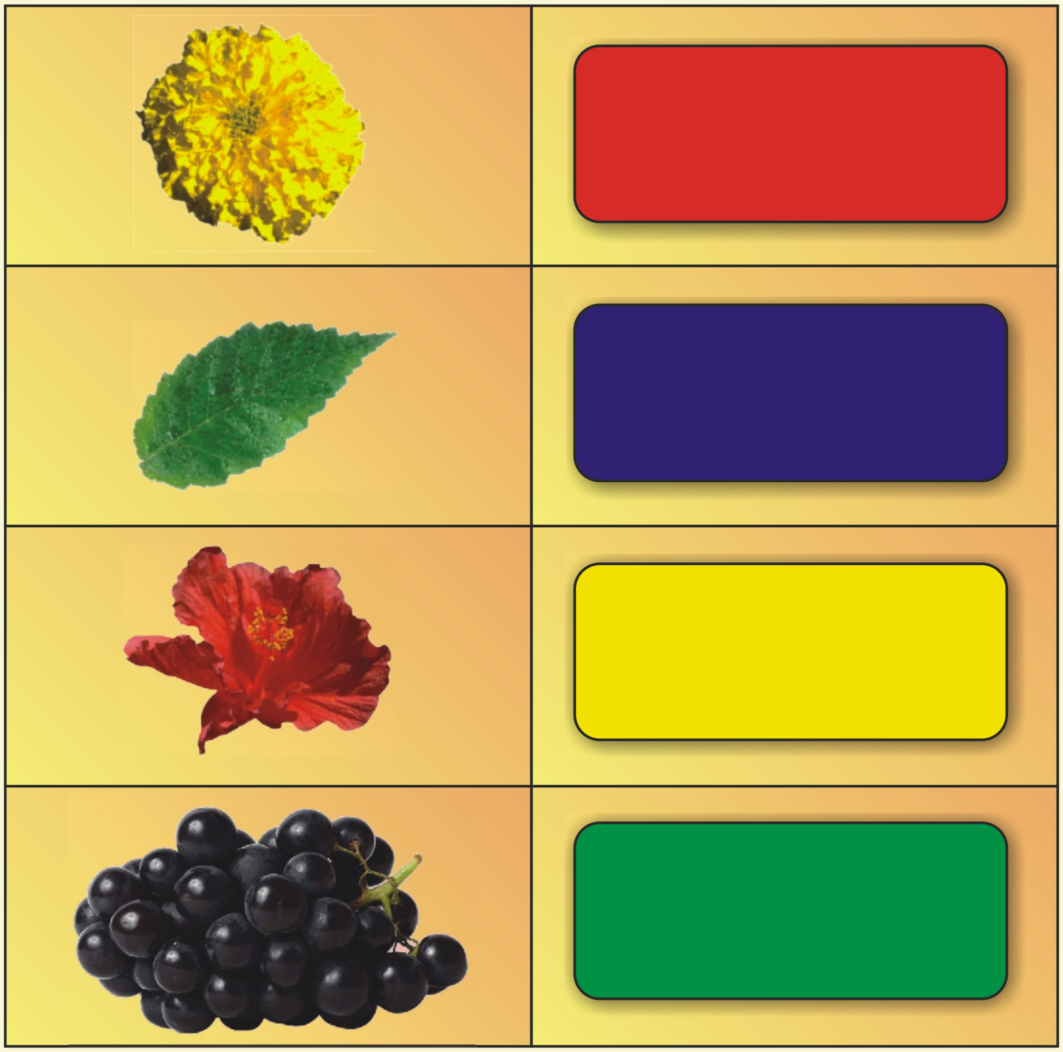

पैटर्न जमाना –

निर्देश –1. पहचान कार्ड दिखाकर रंगों की पहचान करवाएँ।

बागवानी

लम्बा–नाटा

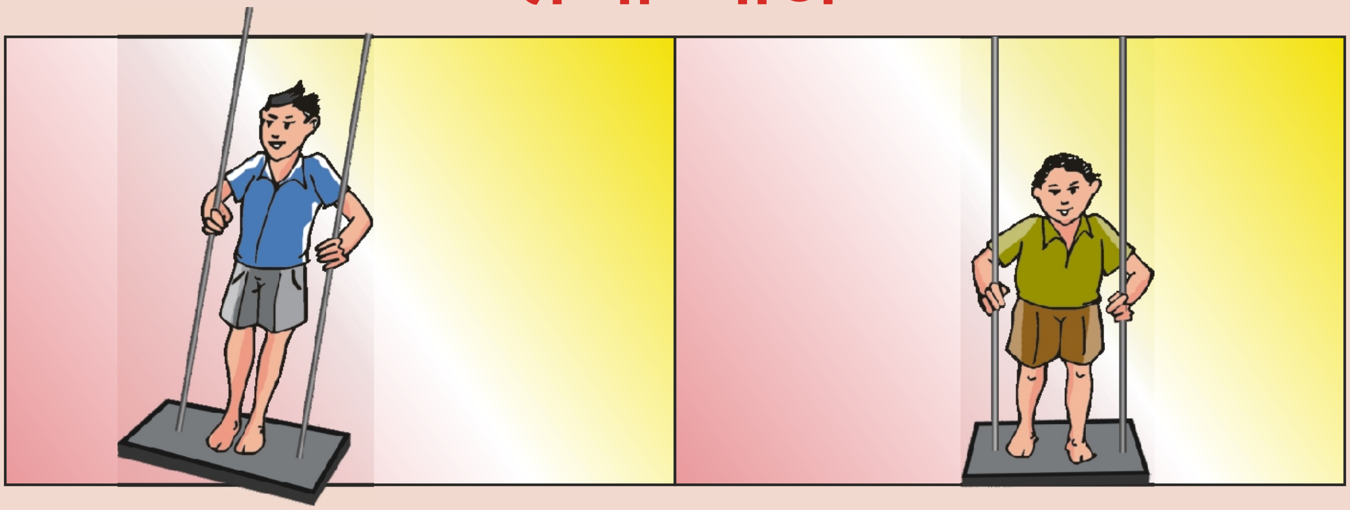

दूर–पास

हल्का–भारी

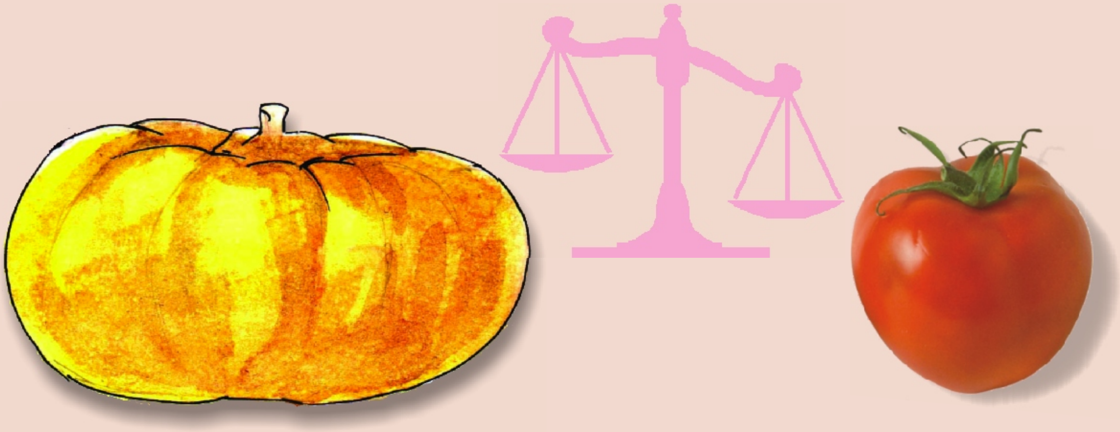

बागवानी

अंदर–बाहर

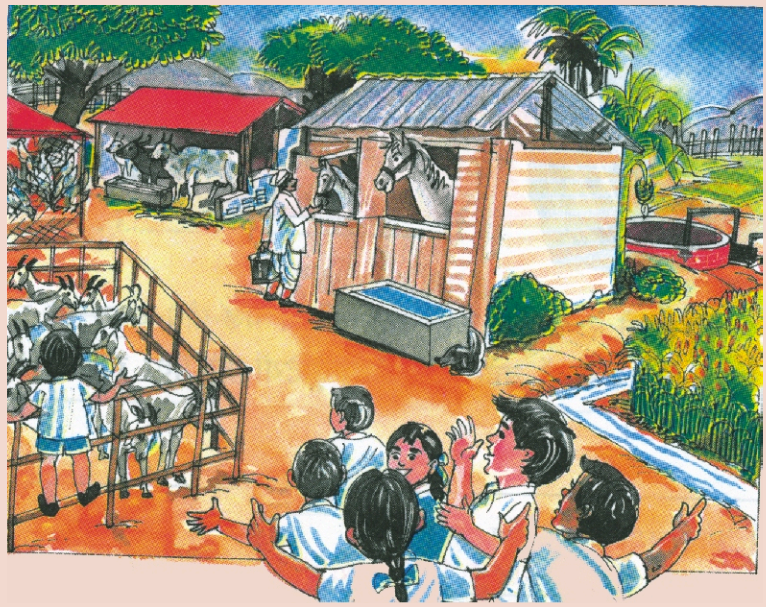

अंतर करो–

बागवानी

लड्डू का पेड़

निर्देश – चित्र के माध्यम से कहानी सुनायें तथा बच्चों से तर्क विवेचन के लिये प्रश्न करें।

बागवानी
लड्डू,के पौधे, मैं चाहता हूं कि तुम एक बड़ा पेड़ बना जाओ !
लड्डू का पेड बड़ा होगा या नहीं ?
अरे वाह, कमाल हो गया! लड्डू, का पेड़ !
ला.. ला.. ला... अब मैं बड़े मजे से इन स्वादिष्ट लड्डूओं को खाऊंगा...
लड्डू के पेड़, मैं चाहता हूं कि तुम पर बहुत सारे लड्डू लग जायें.
जरा देखूं तो...
हा.. हा.. हा.. लड्डू ही लड्डू !
और तभी...
बेटा, मैं कई दिनों से भूखी हूं... एक लड्डू दोगे ?
नहीं, कभी नहीं। ये सब लड्डू मेरे हैं ।
और उस रात...
ऊं.. ऊं.. ऊं.. मेरा लड्डू का पेड़ सदा के लिए चला गया...
शिक्षा: भगवान उसी को देता है जो बांट कर खाता है।
समाप्त

बागवानी

कविता

अच्छा सा एक बीज लगा दो
पेड़ वही बन जायेगा
छोटा सा दीप जला दो
अंधकार मिट जायेगा।

हूँ मैं छोटा सा माली
पौधा लगा के खाद डाली
क्याँरी मेरी प्यारी–प्यारी
सब्जी बोई न्यारी–न्यारी

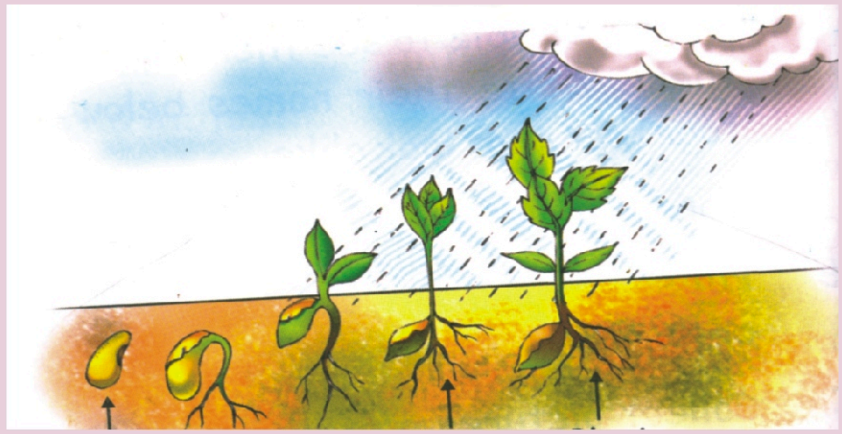

गीत

आओ भैया पेड़ लगायें
धरती में हरियाली लायें
हरी–भरी धरती हो जाती
सुन्दर लगती, सबको भाती
बादल का भी मन ललचाती
सबको अपने ओर लुभाती
आओ भैया पेड़ लगायें।

अभिनय गीत

मैं भी बगीचा लगाऊँगा
हरे–भरे सब पौधे होंगे
रोज पौधों में पानी दूंगा
रंग बिरंगे फूल खिलेंगे
उन पर मीठे फल लगेंगे
खूब मजे से खाऊँगा
मैं भी बगीचा लगाऊँगा।

निर्देश – अभिनय लय के साथ गीत को गाएँ व बच्चों को भी साथ में गवाएँ।

बागवानी
एक दिन छोटू सुबह-सुबह ही घूमने निकल गया। घूमने में उसे बड़ा मजा आने लगा।
अब मैं बगीचे घूमने हूं। वहां अच्छा लगेगा।
थोड़ी ही देर में वह बगीचे में पहुंच गया।
अरे! इतना बड़ा कद्दू इतनी पतली सी बेल पर कैसे लगा है? इसे तो किसी मजबूत पेड़ पर लगना चाहिए था। पेड़ इसका भार आसानी से उठा लेता।
फिर वह ऊपर देखता है ...
ओह! इतने बड़े पेड़ में इतने छोटे अंजीर? ये तो नीचे पतली सी बेल में भी लग सकते थे।
मुझे तो सबकुछ गड़बड़ लग रहा है? भगवान से बहुत बड़ी गलती हो गई है।
कद्दू जैसी चीज को नीचे लगाया है।
इतने टेस्टी अंजीर को ऊपर दिया?
यह क्या चक्कर है? मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा है।
छोटू अंजीर के पेड़ के नीचे बैठकर सोचने लगा।
कितना अच्छा होता अगर यह कद्दू बड़े पेड़ पर और अंजीर नीचे इस बेल पर होते?
तभी एक अंजीर उसके सर पर गिरा। छोटू ने सोचा यदि कद्दू मेरे सर पर गिरता तो मेरा सिर ही फूट जाता। भगवान ने ठीक ही बनाया है।

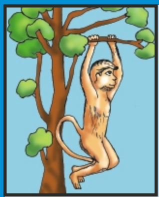

बागवानी

1. मिट्टी हटाकर बीज डालना।

2. हम फूलों से आते हैं, खेल।

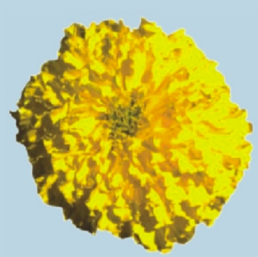

3. दौड़े–दौड़े जाओ, हरी पत्ती लाओ।

4. एक सहेली बाग में बैठे–बैठे रो रही थी, खेल।

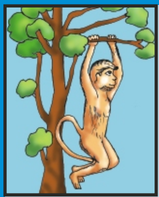

बागवानी

5. पोशम्पा का खेल।

6. फूल पत्तियों का मुकुट बनाना।

7. भवरा (लट्टू खेलना)।

8. बीजों का अंकुरण बनाना।

बागवानी

1. फूल पत्तियों के रंग बनाना।

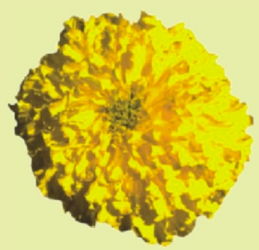

2. फूल–पत्ती से माला बनाना।

3. फूल, मुकुट, कपड़े और गहने बनाना।

4. धागे से रस्सी बनाना।

निर्देश – उपरोक्त कार्यों को स्वयं करें तथा बच्चों को करने के लिए कहें।

बागवानी

5. चित्रकारी करना।

6. फूल–पत्ती से गुलदस्ता बनाना।

7. पत्तियों से दोना–पत्तल, चम्मच बनाना।

8. धान की बालियों से चोटी बनाना।

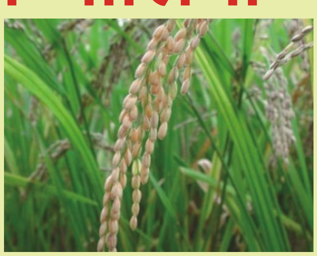

निर्देश – उपरोक्त कार्यों को स्वयं करें तथा बच्चों को करने के लिए कहें।

26

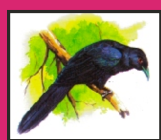

गुलदस्ता

26

गुलदस्ता

गु ता

26

झूला

26

झूला

झू ला

26

टमाटर

26

टमाटर

ट र

26

कोयल

26

कोयल

को ल

26

गमला

26

गमला

ग ला

26

आम

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

आम

आ म

26

गुलाब

गुलाब

गु ब

26

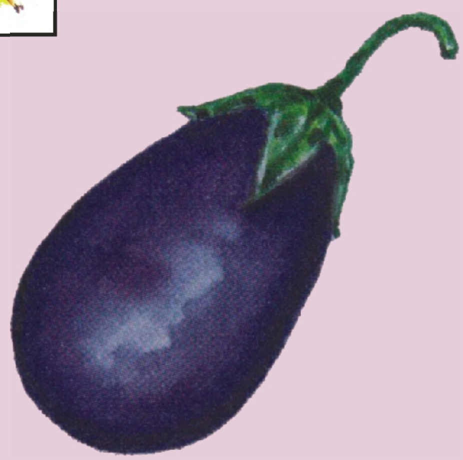

भटा

26

भटा

भ टा

26

मटर

26

मटर

म र

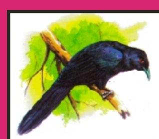

26

भौंरा

26

भौंरा

भौ

रा

पेड़-पौधे

अवलोकन –

पेड़-पौधे

पेड़–पौधे

मोटा–पतला –

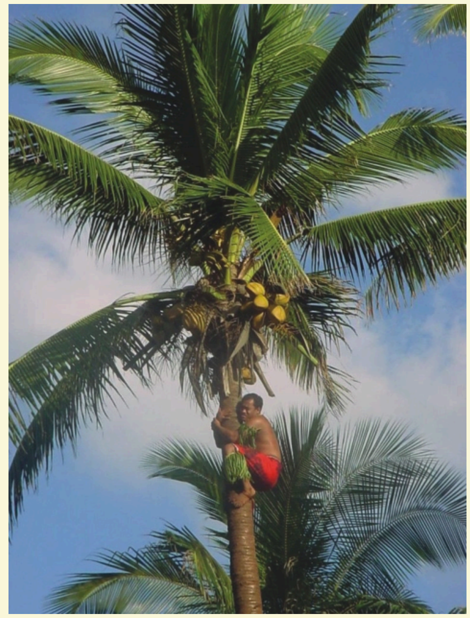

रंग पहचानना (मिलान)–

पेड़–पौधे

दूर–पास –

ऊपर–नीचे –

हल्का–भारी –

पेड़–पौधे

5. अंतर बताओ –

6. समानता –

पेड़–पौधे

7. चिकना–खुरदरा –

8. वर्गीकरण –

निर्देश –पेड़, पौधे और बेल (नार) के आधार पर वर्गीकरण कराएँ।

पेड़–पौधे

छोटा–बड़ा –

तर्क विवेचन –

अगर पेड़–पौधे चलते, तो क्या होता?

पेड़–पौधे

दृश्य विभेदीकरण –

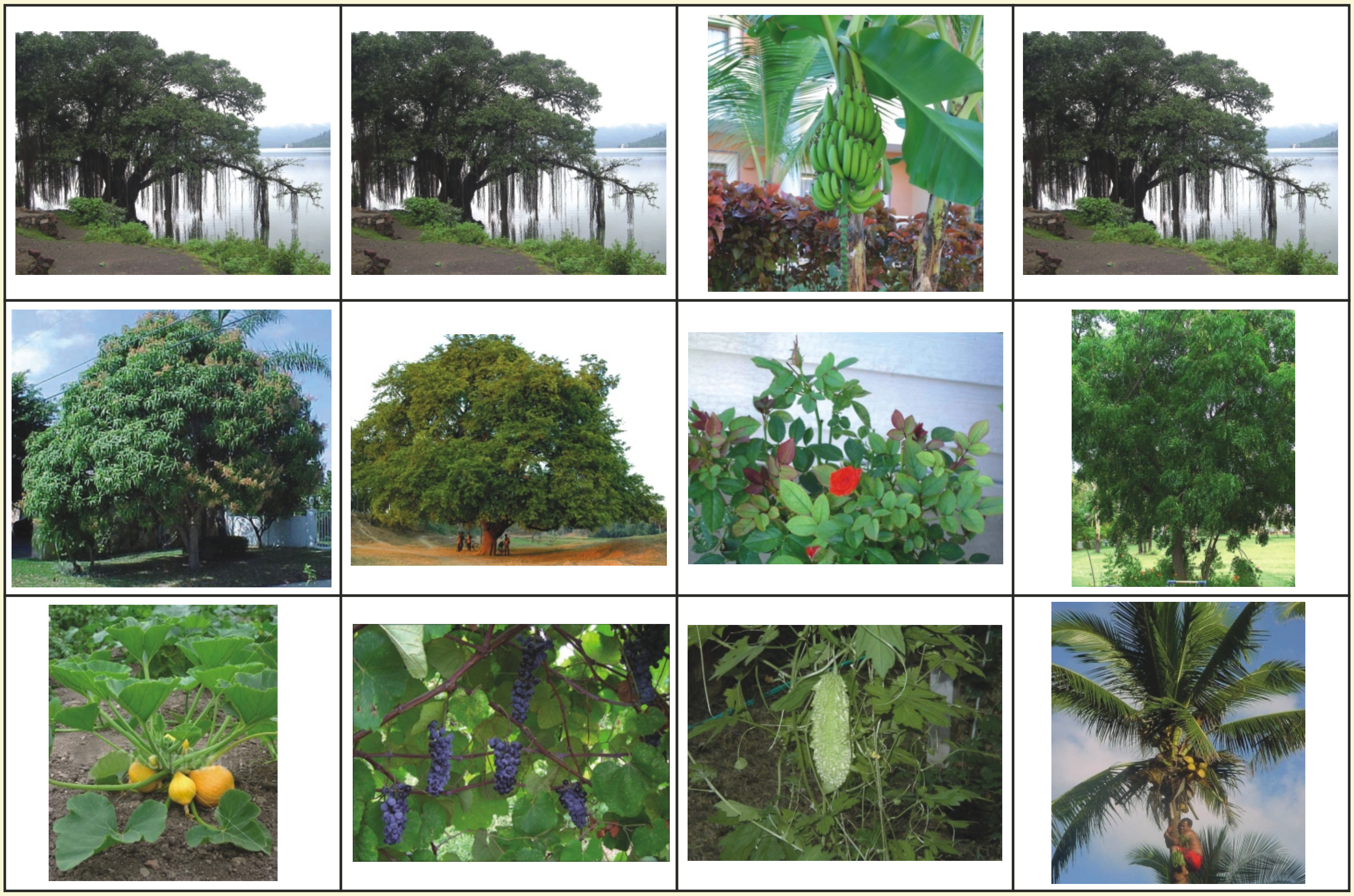

मोटा–पतला –

निर्देश – दृश्य विभेदीकरण में समूह से अलग चित्र की पहचान करवाएँ।

1. आपने कौन से पेड़ देखे हैं?
2. किस पेड़ की पत्तियाँ बड़ी होती हैं?
3. किस पौधे में काँटे होते हैं?
4. फूल वाले पौधों के नाम बताओ।
5. फल वाले पेड़ के नाम बताओ।
6. बाँस से क्या–क्या बनता है?

पेड़-पौधे

प्रश्न – 1. क्या आप लोग पेड़ या पौधे लगाये हैं?

2. आप लोग पेड़ या पौधों की सुरक्षा के लिए क्या–क्या करते हैं?

3. सब्जी उगाने के लिए क्या–क्या करना पड़ता है?

पेड़-पौधे

निर्देश – चित्र पर चर्चा कर उन्हें ऐसा कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

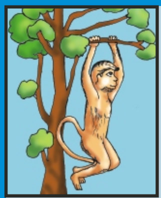

पेड़–पौधे

1. तिरी–पासा खेल

2. गोले को पत्तियों से सजाना।

3. इंकी–पिंकी व्हाट कलर? रंगों में से कौन सा रंग।

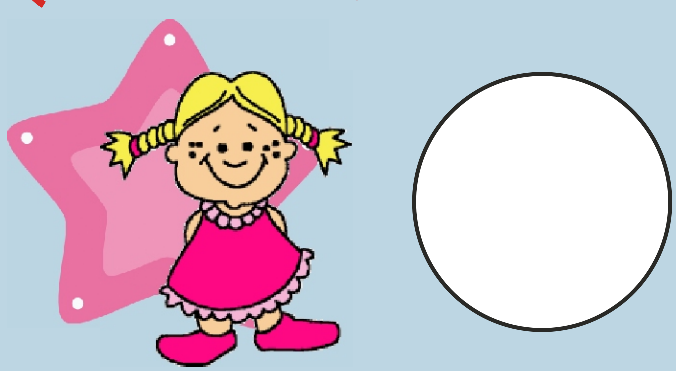

4. तिग्गा खेल खेलना।

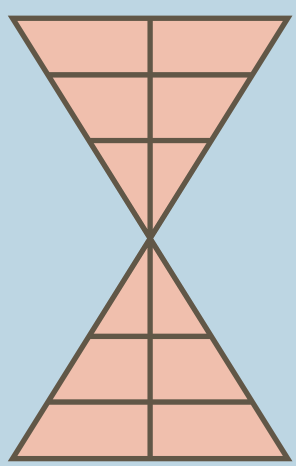

निर्देश – सभी खेलों को (बच्चों की सहभागिता के साथ) खेलाएँ।

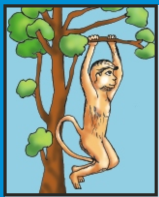

पेड़–पौधे

5. दौड़े–दौड़े जाओ हरी पत्ती उठाकर लाओ।

6. पोशम्पा भई पोशम्पा,
चाय की पत्ती पोशम्पा।

7. पेड़–पौधों की दौड़।

पेड़–पौधे

एक समय की बात है। रामू के दादाजी बीमार हो गया। उस साल खेतों पर धान की बोवाई नहीं हो पाई। रामू ने सोचा कि मैं केले का पेड़ लगा देता हूँ। पास के तालाब से पानी लाकर डाल दूँगा। रामू के पास पेड़ खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। वह गाँव में घूम–घूम कर केला का पेड़ मांगता है और उसे लाकर अपने खेत में लगाते जाता है। उसके दादाजी भी खेतों पर आकर बैठ जाते थे। धीरे–धीरे पौधे बड़े हो गये। उस पर बहुत सारे केले लग गये। खेतों पर ही लोग केला खरीदने आने लगे। अब दादाजी और रामू बहुत खुश थे।

निर्देश – चित्र के माध्यम से कहानी सुनाएँ तथा बच्चों से तर्क विवेचन के लिये प्रश्न करें।

पेड़–पौधे

1.
बड़ा–बड़ा है नीम का पेड़,
मुड़ी–मुड़ी कद्दू की बेल।
बड़ी कटीली बेर की झाड़ी,
धान का पौधा, सुंदर बाली।।

2.
बड़ की जड़ में झूला झूलें,
चले गाजर को हम खा लें।
फूलों का गुलदस्ता बनाया,
गमलों से है घर सजाया।।

3.
बूढ़ा दादा बरगद देखो,
आम, नीम, जामुन को देखो।
छोटे–छोटे पौधे प्यारे,
हरियाली बिखराते सारे।।

पेड़–पौधे

1. पत्तियों को जमाकर आकृति बनाना।

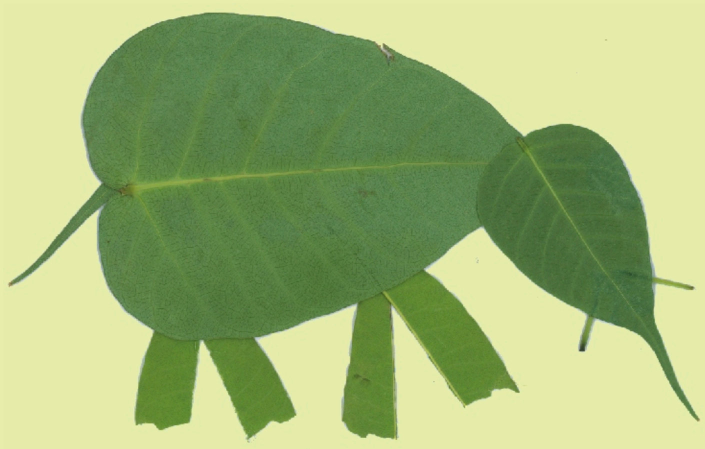

2. फूल–पत्तियों को कॉपी में दबाकर, सूखाकर ग्रीटिंग कार्ड बनाना।

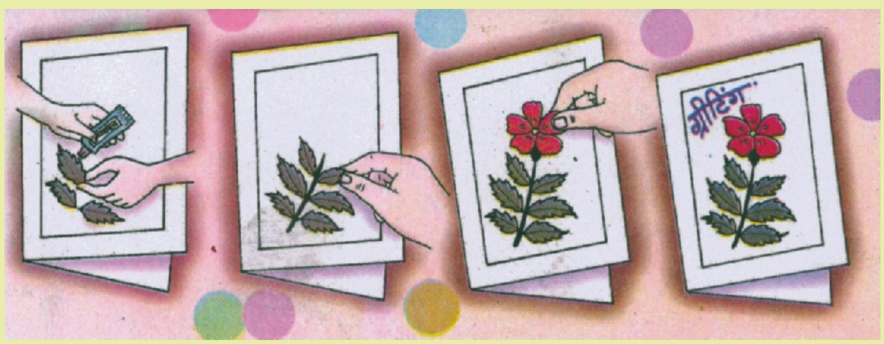

3. फूल–पत्तियों को जमा करना।

4. फूल–पत्तियों को कुचलकर रंग बनाना।

पेड़–पौधे

1. ठप्पा लगाना।

2. पत्तियों को ट्रेस करना।

बरगद

बरगद

ब द

27

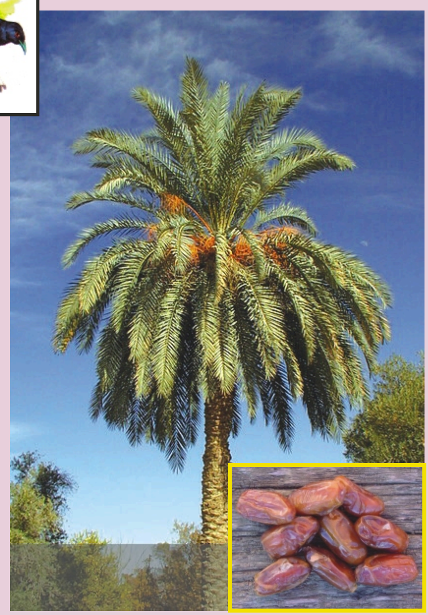

खजूर

27

खजूर

ख र

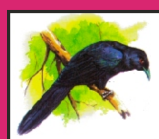

27

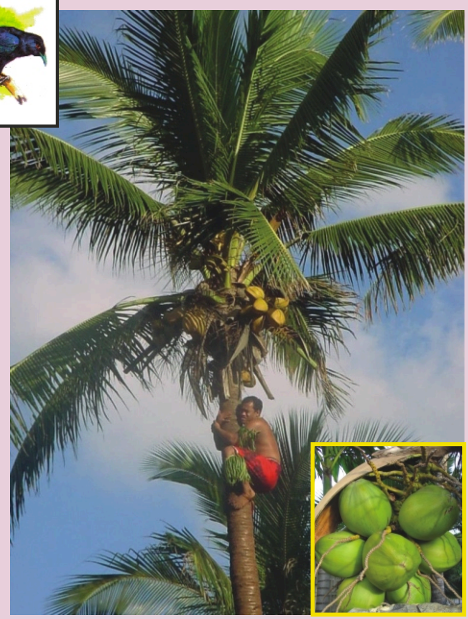

नारियल

27

नारियल

ना ल

27

अनार

27

अनार

अ र

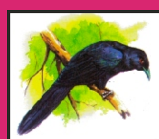

27

केला

27

केला

के ला

27

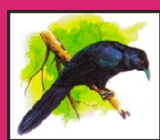

इमली

27

इमली

इ ली

27

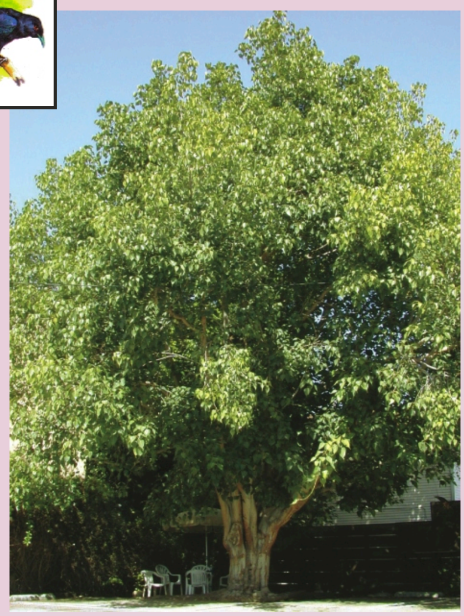

पीपल

27

पीपल

पी ल

27

जामुन

27

जामुन

जा न

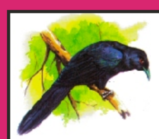

27

नीबू

27

नीबू

नी बू

27

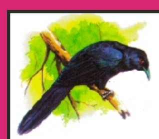

पपीता

27

पपीता

प ता

फूल

अवलोकन–

लिली

सूरजमुखी

गेंदा

गुलाब

गुड़हल

कमल

चंदैनी गेंदा

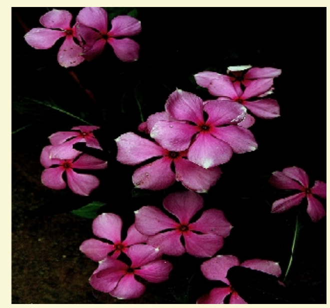
सदासुहागन

चम्पा

धतूरा

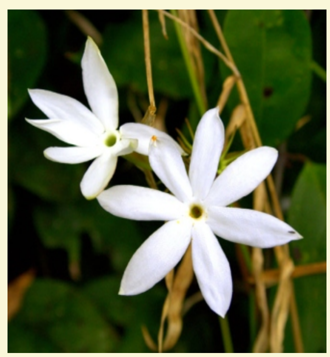
चमेली

चाँदनी

सेवन्ती

रात–रानी

मोगरा

कनेर

फूल

रंग मिलान –

कम – ज्यादा–

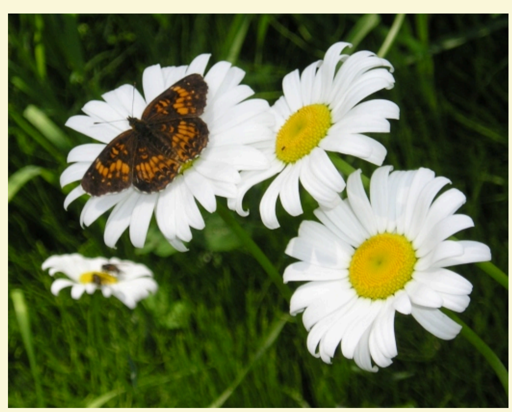

फूल

पैटर्न जमाना –

क्या गायब–

अपेन परिवेश में उपलब्ध फूलों को एकत्र करके शिशुओं को दिखाएँ। उनमें से 1 फूल छिपाकर करके शिशुओं से पूछें कौन–सा फूल गायब है? यदि फूल उपलब्ध न हो तो शब्दचित्र कार्ड के माध्यम से गतिविधि कराएँ।

फूल

दूर–पास –

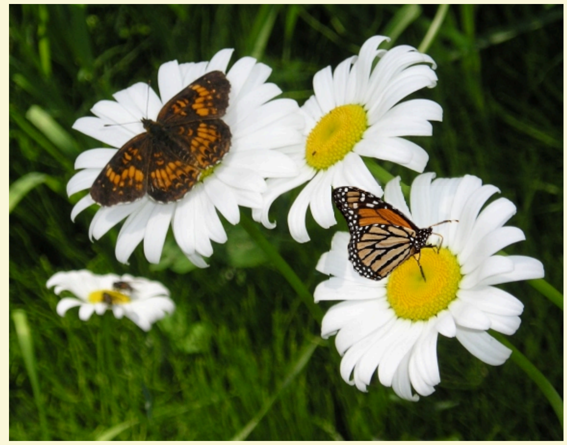

अंतर बताओ–

तर्क विवेचन–

यदि पेड़ पर आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्कुट लगे हों,तो क्या होगा ?

फूल

सूँघकर पहचानना–

आँख में पट्टी बाँधकर फूल सुघाँकर नाम पूछना –

चौड़ी–सँकरी–

निर्देशः– 1. फूल का चित्र दिखाकर अवलोकन कराएँ।
2. परिवेशीय फूल दिखाकर समान रंग के फूल को अलग कराएँ।
3. छोटा–बड़ा, संख्या व संकरा–चौड़ा की गतिविधि इसी प्रकार से करायेंगे।
4. समान फूल को अलग करना।
5. सुघांकर फूल का नाम पूछना।

फूल

दृश्य विभेदीकरण –

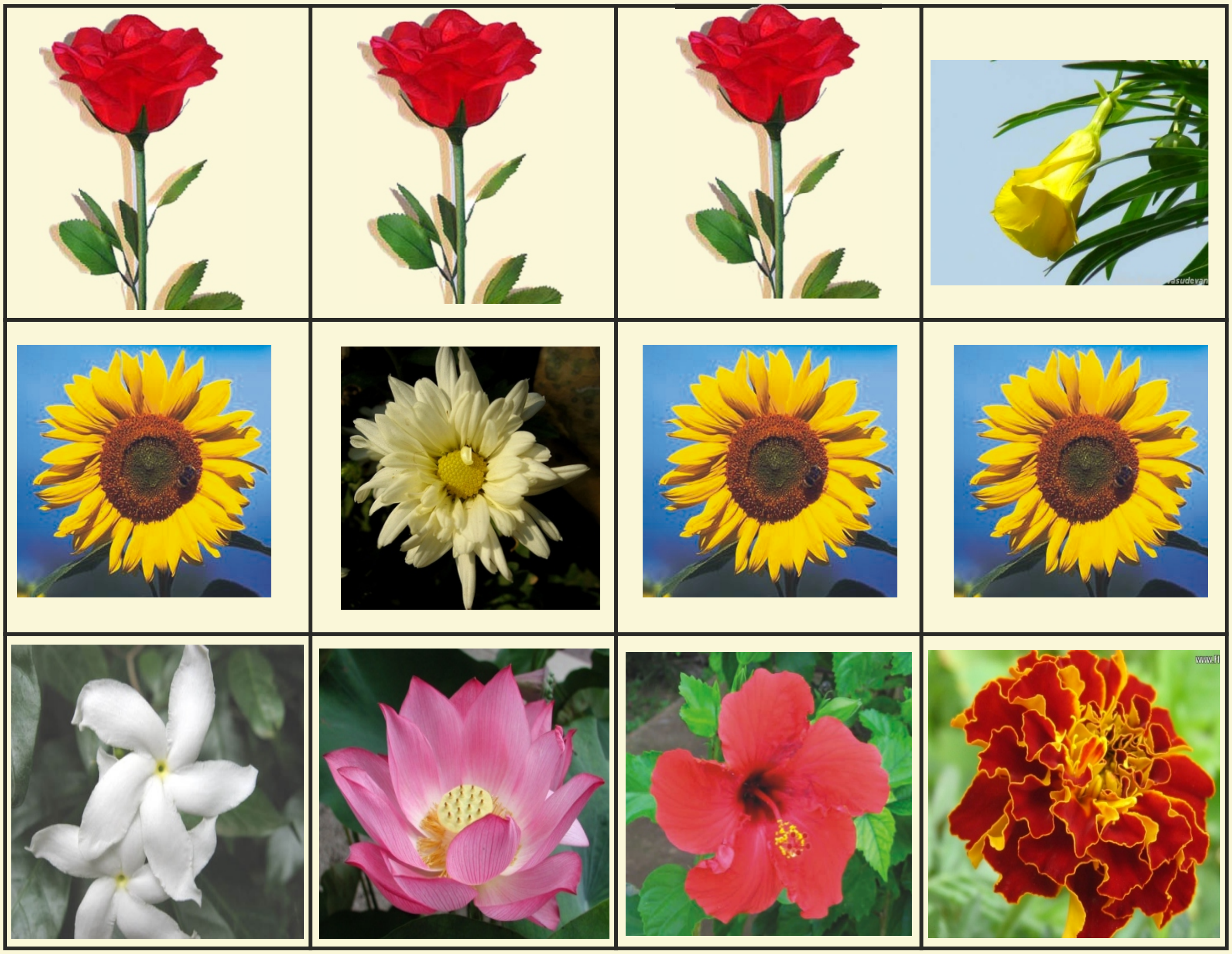

छोटा – बड़ा –

फूल

निर्देशः– क्या आप फूलों से प्यार करते हैं?

फूल

निर्देशः– फूलों से भरा हुआ बगीचा आपको कैसा लगता है?

फूल

2. सिर में फूल रखकर चलना।

1. फूल को पकड़ना व उछालना।

3. फूल से बैडमिंटन खेलना।

फूल

4. हाथ में फूल रखकर चलना।

5. फूल दौड़ करवाना।

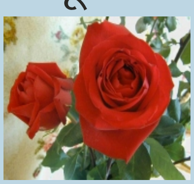

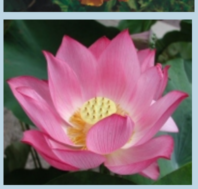

फूल

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौरों से नित गाना।
पौधे की झुकी डालियों से नित,
सीखो शीश झुकाना।।

निर्देश:– 1. अभिनय, लय के साथ गीत को गाएँ व बच्चों को भी साथ में गवाएँ।

फूल

एक गाँव में सुन्दर बगीचा था। उस बगीचे में सुंदर–सुंदर फूल खिलते थे। बगीचे की देखभाल एक माली किया करता था। उस बगीचे के पास एक शरारती लड़का रहता था। हर रोज जब माली सो जाता तो बच्चा चुपके से बगीचे में घुस जाता और सारे फूल भी तोड़कर इधर उधर फेंक देता। माली चिंतित हो जाता कि सारे फूल कौन ले जाता है ? उधर सारे फूल परेशान रहते कि हम बर्बाद होने के लिए थोड़े ही बने हैं। हम तो बहुत सुन्दर हैं। घर और बगीचे की खूबसुरती बढ़ाते हैं परन्तु ये नटखट बच्चा है। सारे फूलों ने अपनी परेशानी फूलों के राजा गुलाब को बतायी। गुलाब को एक उपाय सूझा। उसने कहा– जब शरारती बच्चा बगीचे में आएगा। तुम सारे फूल छिप जाना और मैं खिले रहूँगा। सभी ने ऐसा किया। उसे गुलाब का फूल दिखाई पड़ा। बच्चे ने सोचा चलो चुपके से गुलाब का फूल तोड़ लूँ। चुपके से शरारती बालक ने

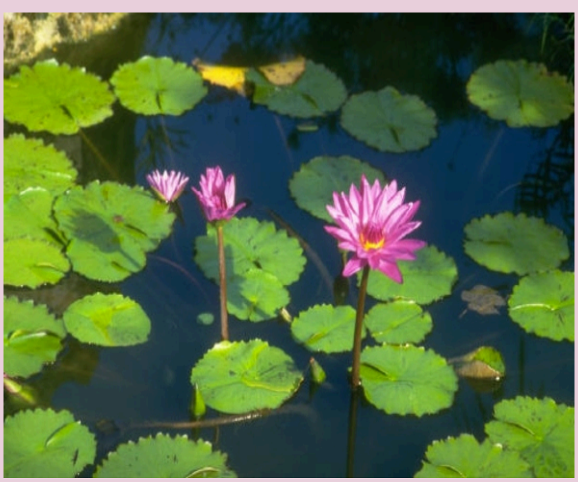

गुलाब को तोड़ना चाहा, गुलाब ने झट से अपना कांटा उस बच्चे को चुभा दिया। बच्चा रोने लगा और माली की नींद खुल गयी। माली ने बच्चे को समझाया। बच्चे को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने कहा अब कभी फूलों को नहीं तोड़ूँगा। सारे फूल बच्चे की बात को सुनकर खुश हो गए और खुशी से नाचने गाने लगे।

फूल

1. फूलों की माला बनाना –

2. फूलों की रंगोली बनाना –

3. कोलाज वर्क कराना –

फूल

4. चित्र को फूलों से भरो –

5. अंगूठे की छाप से फूल बनाना –

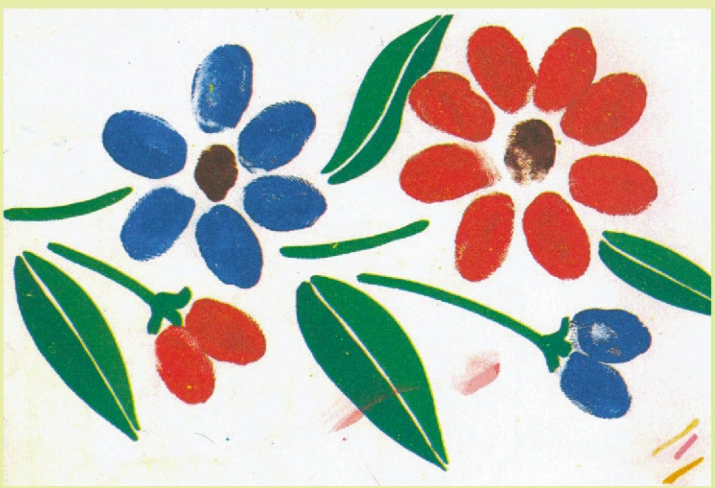

6. थ्रेड वर्क से फूल बनाना –

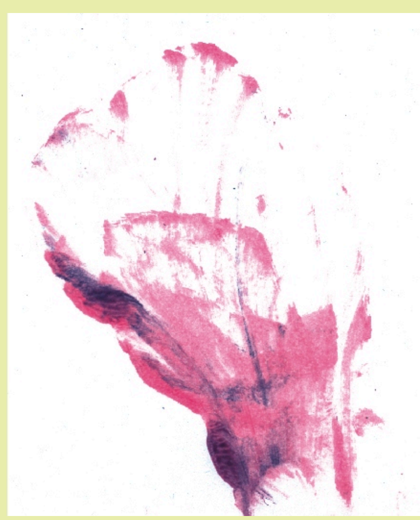

28

सूर्यमुखी

28

सूर्यमुखी

सू खी

28

गुलाब

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

28

गुलाब

गु ब

28

गेंदा

28

गेंदा

गें दा

28

मोगरा

28

मोगरा

मो रा

28

कमल

28

कमल

क   ल

28

धतूरा

28

धतूरा

ध   रा

28

गुड़हल

28

गुड़हल

गु ल

28

सदासुहागन

28

सदासुहागन

स न

28

कुमुदनी

28

कुमुदनी

कु ni

28

सेवन्ती

28

सेवन्ती

से ती

28

चम्पा

28

चम्पा

च पा

28

कनेर

28

कनेर

क र

फल

अवलोकन

अनार

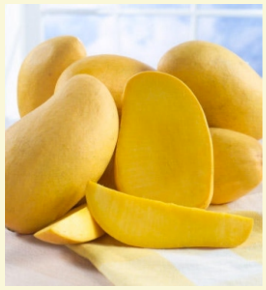

आम

अनानास

अमरूद(जाम)

केला

सेब

अंगूर

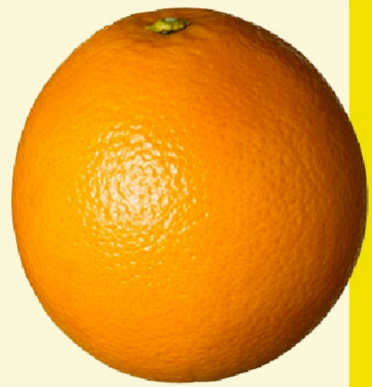

संतरा

खरबूज

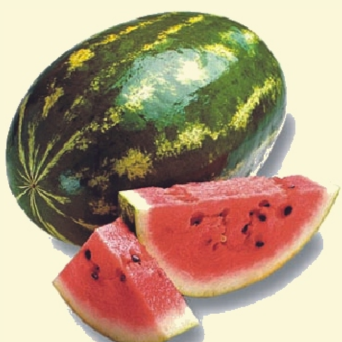

तरबूज

पपीता

सीताफल

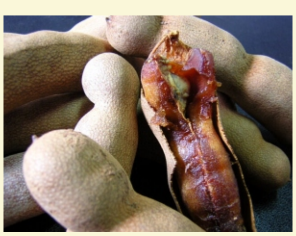

इमली

नीबू

चेरी

जामुन

फल

छोटा – बड़ा

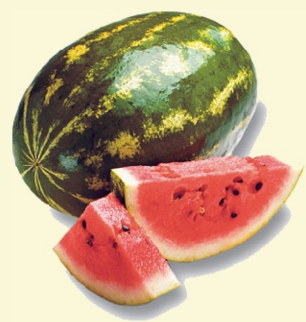

क्या है लम्बा? क्या है गोल ? जल्दी बोल–जल्दी बोल ......

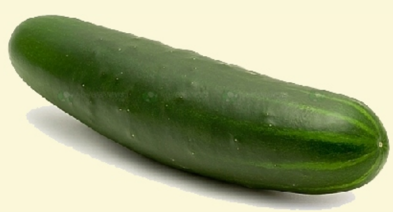

फल

स्वाद पहचानना।

खट्टा

मीठा

रंगों का मिलान

निर्देशः– खंडो में दिये गये रंग से संबंधित फलों के बारे में चर्चा करें। कौन–सा फल किस रंग का है।

फल

दृश्य विभेदीकरण

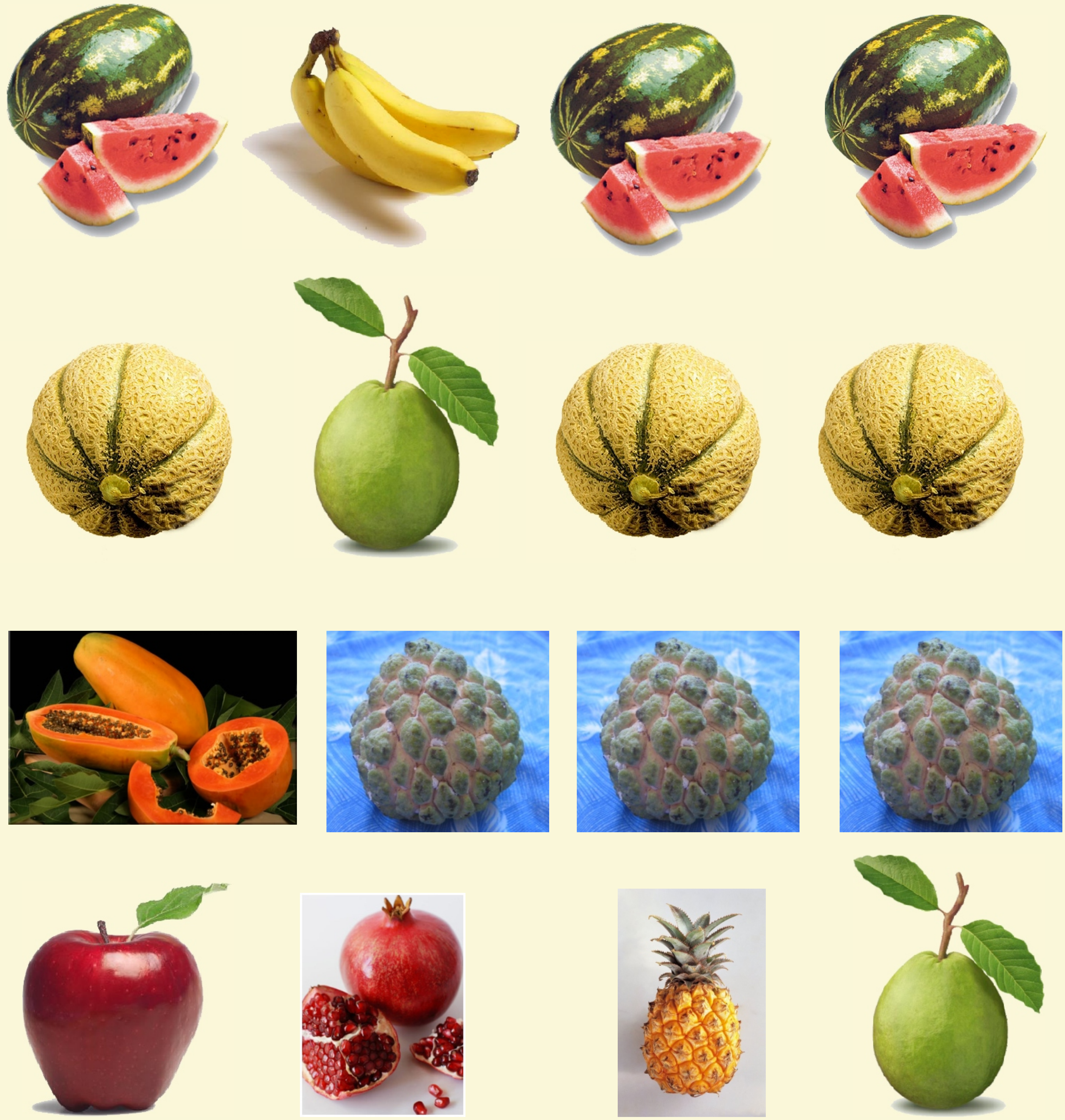

निर्देशः– 1. विभिन्न प्रकार के फलों का स्वाद, आकार, रंग के आधार पर शब्द कार्ड के माध्यम से अलग करवायें।
2. शब्द कार्ड के चित्रों को दिखाकर छीलकर/बिना छीलकर खाने वाले फलों के नाम को बताना।
3. गंध पहचान की गतिविधि– अ. परिवेशीय फलों को बच्चों को सूघने को दें।
ब. आँखों में पट्टी बाँधकर/आँख बंद कर फलों को सूघवायें व नाम पूछें।

फल

दूर – पास

हल्का–भारी

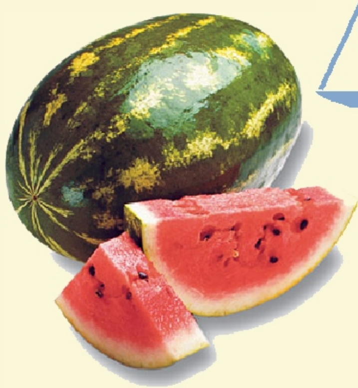

क्या गायब है

फल

सूँघकर पहचानना–

जोड़ी मिलाओ –

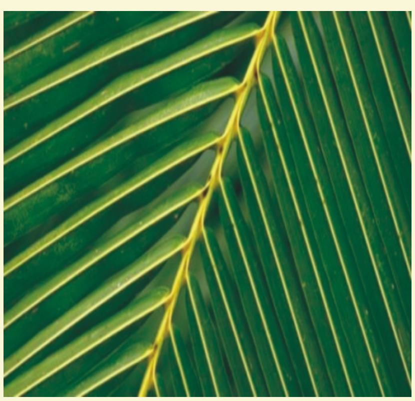

फल

निर्देशः– क्या तुम भी ऐसा करते हो ?

फल

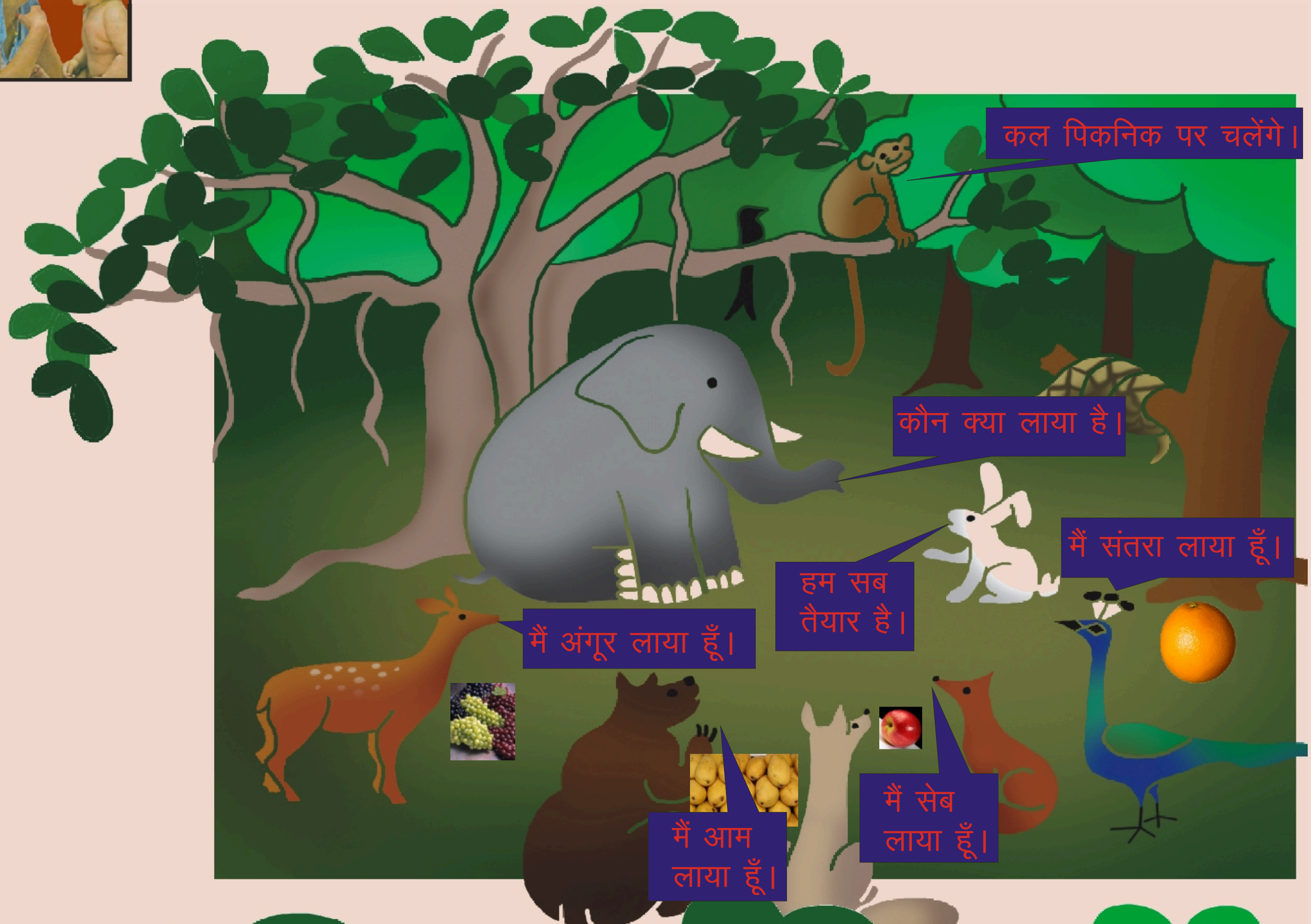

निर्देशः– कहानी के पात्रों का अभिनय कराएँ।

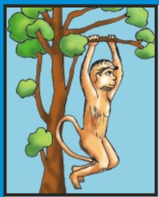

फल

1. अंगूर दौड़

2. तरबूज की तरह लुढ़कने का खेल खेलना –

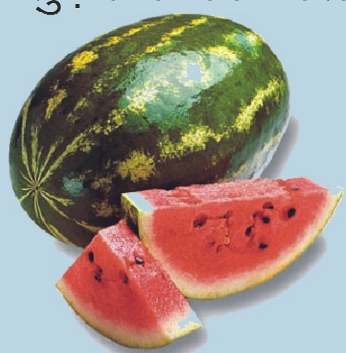

3. बंदर की तरह फल तोड़ने का अभिनय करना –

निर्देशः– उपरोक्त गतिविधियों को स्वयं करें एवं बच्चों को करने के लिए कहें।

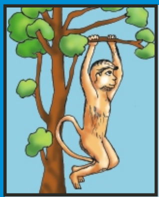

फल

1. पौधों में पानी डालना।

2. फल को सिर पर रखकर चलना

3. फलों के मुखाटे लगाकर दौड़ना –

निर्देशः– फलों के दौड़ की तरह शारीरिक विकास से संबंधित गतिविधि बच्चों को मुखौटा लगाकर कराएँ।
जैसे– लम्बी कूद, बाधा दौड़, मेंडत्रक दौड़, लुढ़कना, ऊँची कूद।

फल

जामुन देखो काली काली,
लगी हुई है डाली डाली।
डाल पकड़कर इसे हिलायें,
जामुन गिरती टप टप टप।
बीनो भाई झटपट झटपट,
चलो चलें नदी किनारे।
धो धोकर अब खायें प्यारे।।

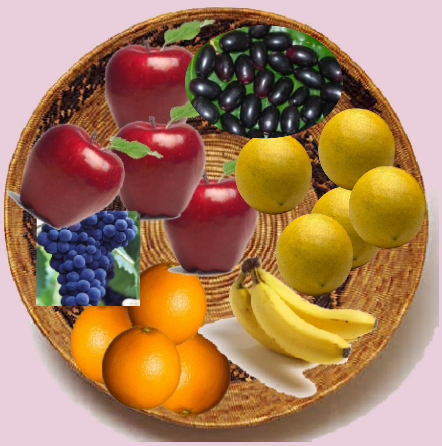

फल खाओ भई फल खाओ,
बीमारी को दूर भगाओ।
फल होते हैं न्यारे–न्यारे,
इनको खाते हम सब प्यारे।

मैं और भैया गये बाजार,
वहाँ से लाये एक अनार।
दोनों मिलकर खायेंगे,
और सुंदर बन जायेंगे।

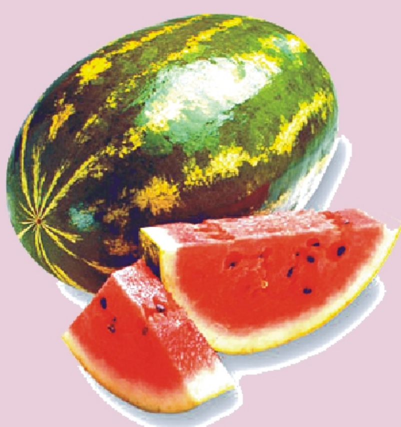

पका तरबूज लाल–लाल,
खाये भैया रामलाल।
हुये ताजा गोल–गोल,
जैसे रखा तबला–ढोल।

निर्देशः– अभिनय लय के साथ गीत को गाएँ व बच्चों को भी साथ में गवाएँ।

फल

सोनू ने रात को जब सुन्दर सपना देखा। उसने देखा कि उसके बगीचे में एक अनोखा पेड़ लगा है। जिसमें सभी प्रकार के फल जैसे – आम, केला , अनार, संतरा, अंगूर, जामुन, बेर, अमरूद आदि लगे हुये हैं। यह सब देखकर उसके मुँह में पानी आ गया। उसने पेड़ के फलों को तोड़कर पेट भर खाया। सुबह होते ही उसकी माँ ने उसे जगा दिया। उसे दुख हुआ कि उसका सुन्दर सपना टूट गया।

किसी जंगल में मिट्ठू नाम का बंदर रहता था। वह अपनी माँ के लिये केला लाने जंगल की ओर निकल पड़ा। उसने केले के एक गुच्छे को तोड़ लिया लेकिन यह बहुत वजनदार था। उसने सोचा कि कुछ केले खायेंगे तो वजन अपने आप कम हो जायेगा। उसने केला खाना शुरू किया। अचानक बाघ के दहाड़ने की आवाज सुनाई दी। बंदर डर के मारे गिर पड़ा। उसके ऊपर केले का गुच्छा गिर पड़ा। जैसे ही बंदर के ऊपर बाघ झपटा, बाघ केले के छिलके से फिसल कर गिर गया। मिट्ठू खुश हुआ और उसने केले खाने शुरू कर दिया।

निर्देश : कहानी का अभिनय कराएँ।

फल

1. आम के पत्तियों के तोरण बनाना –

2. बिन्दु मिलाकर आकृति बनाना –

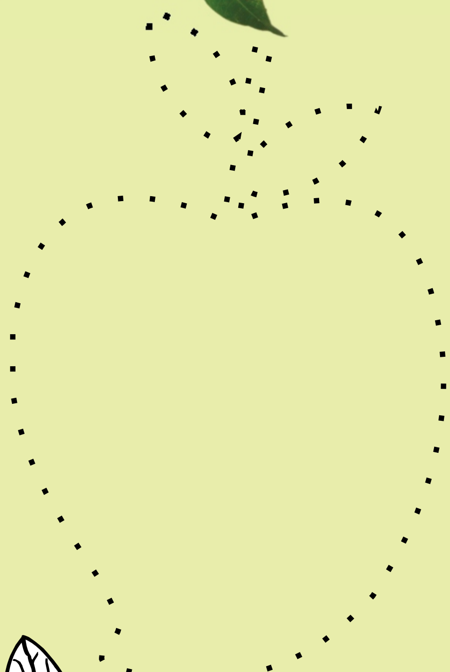

3. चित्र में रंग भरना–

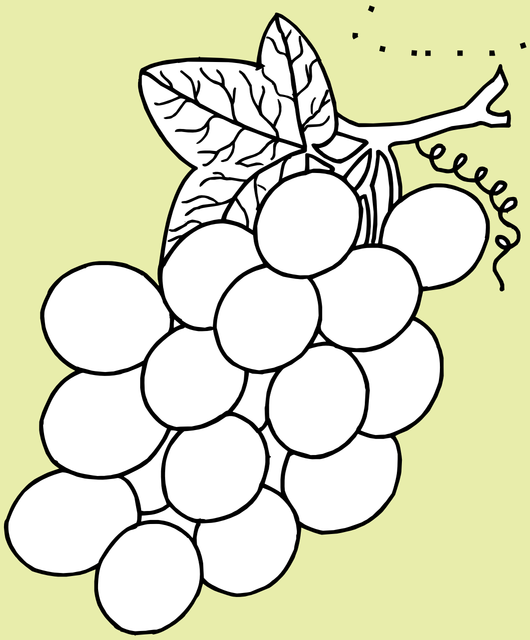

निर्देशः– उपरोक्त कार्यों को स्वयं करें व बच्चों को करने के लिए कहें।

फल

4. ट्रेस करना –

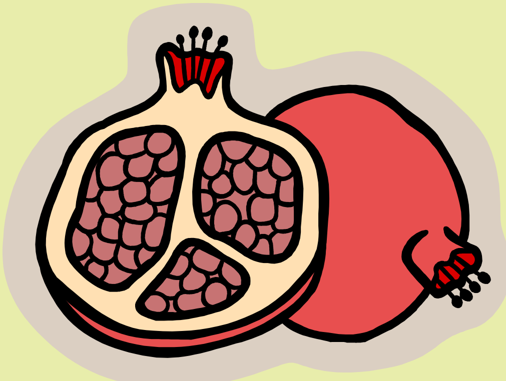

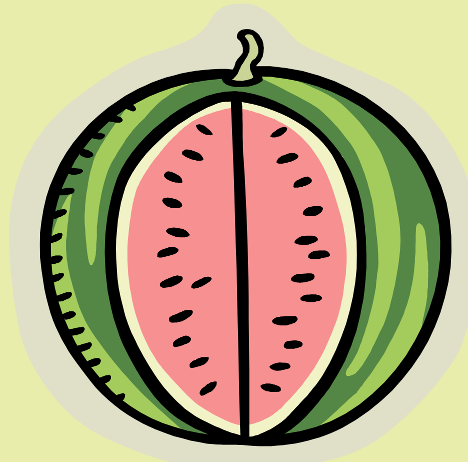

5. गीली मिट्टी के फल बनाना –

6. कोलॉज वर्क करना।

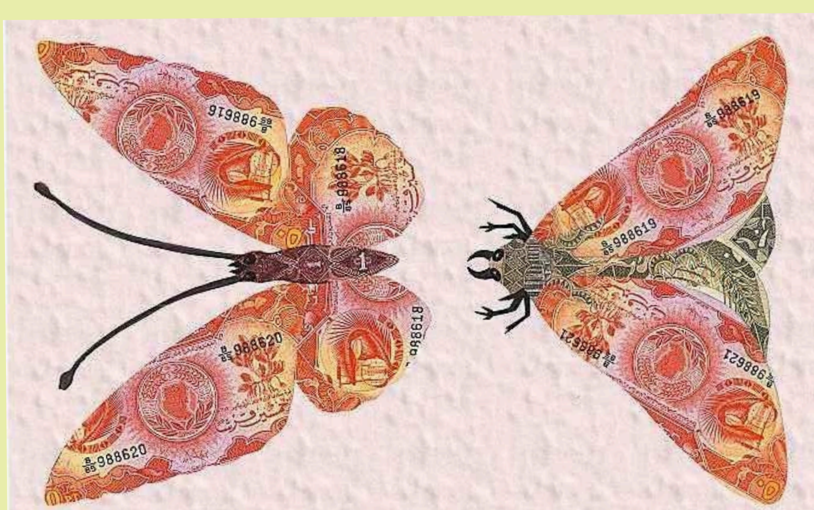

निर्देशः– उपरोक्त कार्यों को स्वयं करें व बच्चों को करने के लिए कहें।

29

अनानास

29

अनानास

अ स

29

अमरूद

29

अमरूद

अ द

29

सेब

29

सेब

से ब

29

अंगूर

29

अंगूर

अं र

29

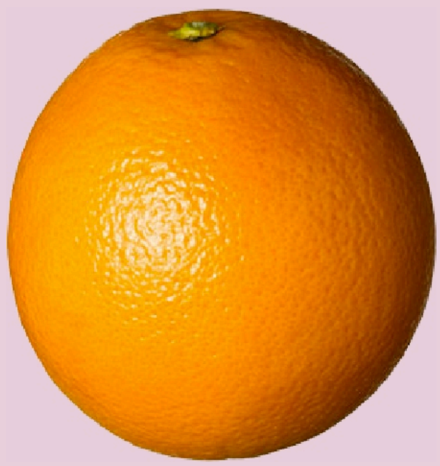

संतरा

29

संतरा

सं ………… रा

29

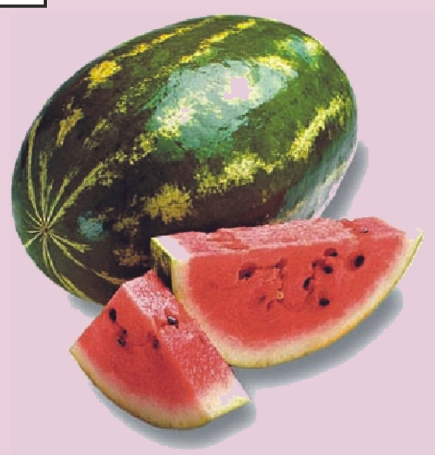

तरबूज

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

29

तरबूज

त ज

खरबूज

29

खरबूज

ख ज

29

सीताफल

29

सीताफल

सी ल

रंग

अवलोकन–

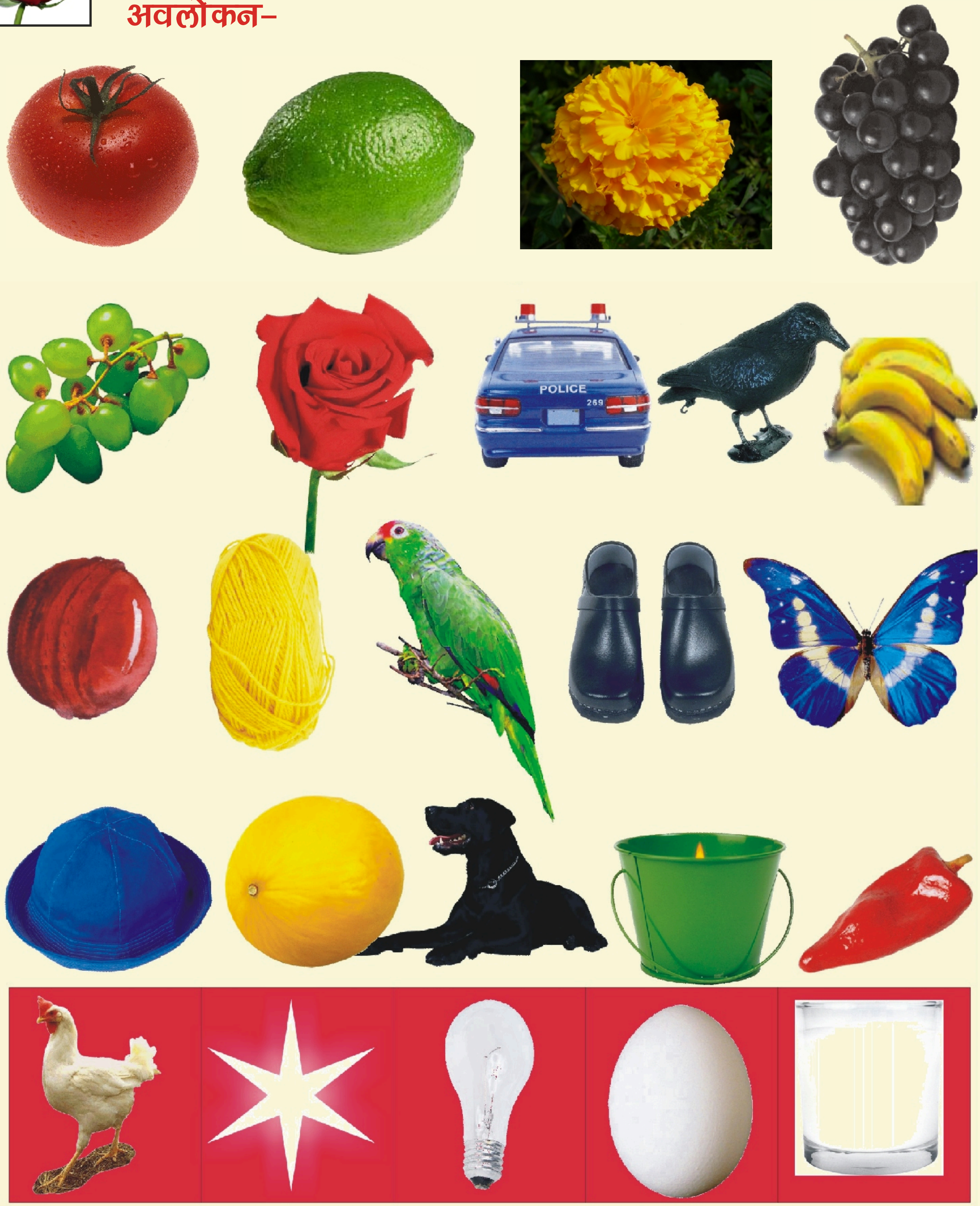

रंग

रंग पहचान–

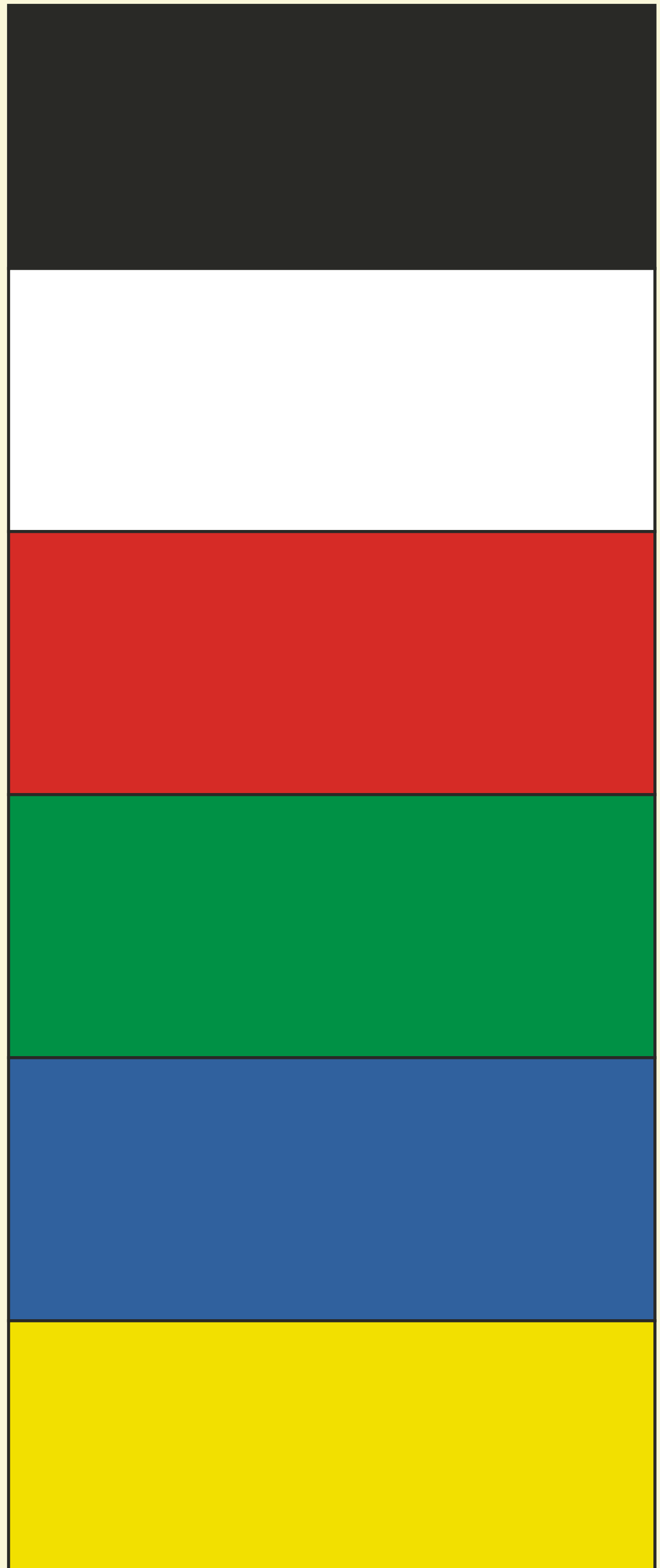

रंग

दृश्य विभेदीकरण–

रंग

छोटा – बड़ा–

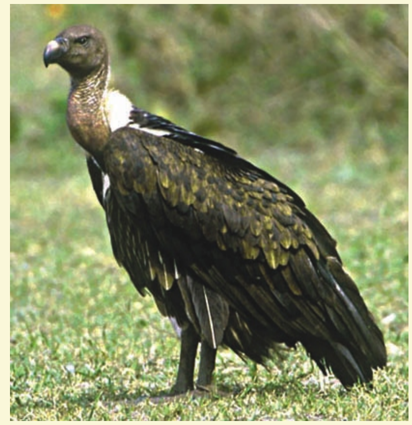

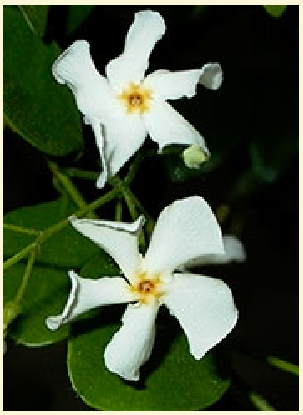

रंग

घुलनशील–अघुलनशील–

घोलकर देखें और बताएं कि कौन–कौन–सी चीजें पानी में घुलती है और कौन नहीं।

चूड़ी रंग

तोता रंग

महुर / आलता

पैटर्न जमाना

रंग

क्रमीकरण–

लाल				
नीला				
हरा				
पीला				

समानता–

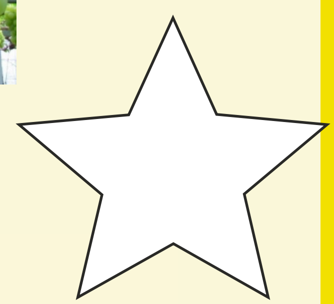

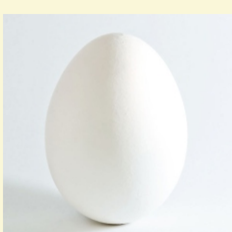

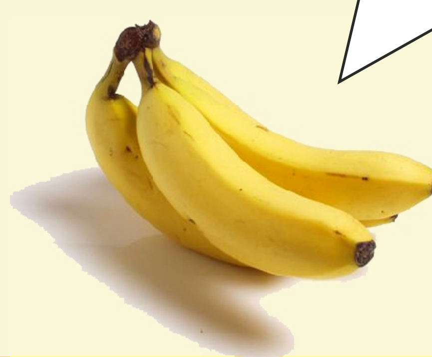

रंग

लाल, हरा, नीला, पीला, काला वस्तुओं के नाम व उपयोग बताओ।

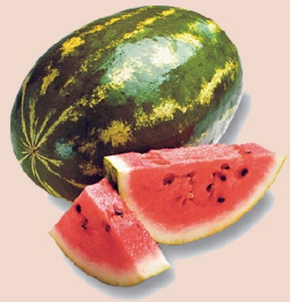

लाल–लाल टमाटर, लाल है तरबूज।

लाल .... ।

हरी–हरी तोता, हरी–हरी घास,

हरा, ... ।

नीला–नीला आसमान, नीला है नीलकंठ,

नीला .... ।

पीला–पीला केला, पीला है खरबूज,

पीला .... ।

काली–काली कोयल, काला है भैंस,

काला .... ।

रंग

प्रश्न – तुम कौन सा रंग लोगे ?

मैं पीला रंग लूँगा।

मैं काला रंग लूँगा।

मैं लाल रंग लूँगा।

मैं सारे रंग लूँगा।

मैं संतरा रंग लूँगा।

मैं सफेद रंग लूँगा।

रंग

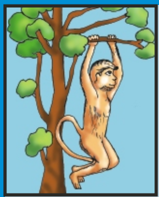

रंग

1. इंकी, पिंकी व्हाट कलर

2. रंग बिरंगे पतंग उड़ाना व उसका अभिनय करना।

रंग

1. आलू, भिण्डी का अंगूठे का ठप्पा लगाना।

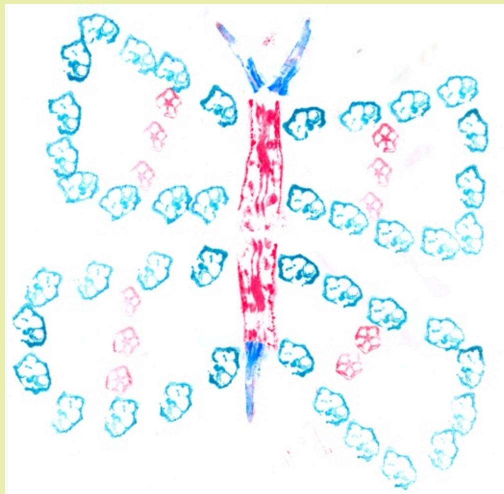

2. कागज के चित्र बनाना।

3. आकृतियों में रंग भरें।

रंग

1. तोरण बनाना–

2. रग बिरंगे फूलों से माला बनाना –

3. फूलों की आकृतियाँ बनाना –

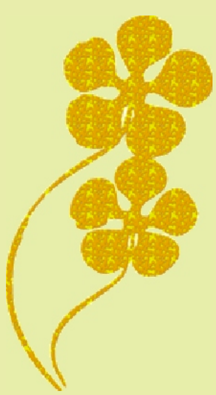

रंग

1
दीदी आज पढ़ाओ ना,
कोई गीत सुनाओ।
लायी हूँ मैं लाल गुलाब,
जूड़े में सजाओ ना।

2
हरे रंग का तोता हूँ,
लाल मिर्च खाता हूँ।
मीठा गीत सुनाता हूँ,
टें टें टें करता हूँ।

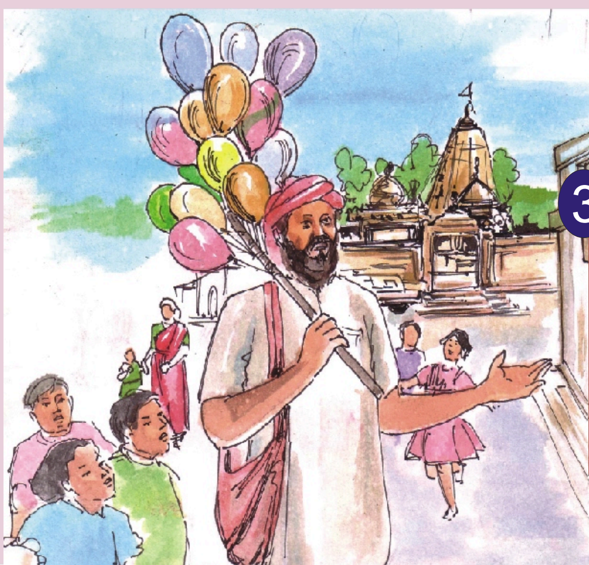

3
गुब्बारे वाला आया है,
सुन्दर गुब्बारे लाया है।
लाल, हरे, नीले, पीले,
चाँद सितारे से चमकीले।

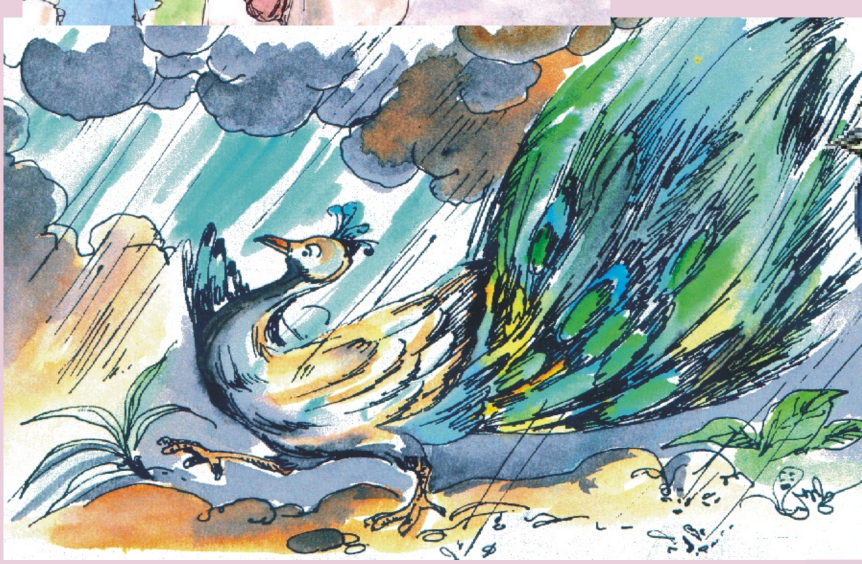

4
दौड़े लाल टमाटर सरपट,
हरे मटर भी आये झटपट।
गोभी सफेद लुढ़कती आयी,
हरी धनिया भी दौड़ लगायी।

5
काले बादल छाये घनघोर,
इसे देखकर नाचे मोर।
रंग बिरंगे पंख वाला,
नाच रहा है सुन्दर मोर।

निर्देशः— अभिनय व लय के साथ गीत को गायें एवं बच्चों को भी साथ में गवाएँ।

रंग

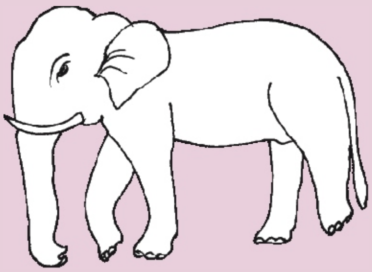

जंगल में सफेद रंग का हाथी रहता था। उसे रंग खेलना पसंद नहीं था। इसलिए हर होली पर वह दरवाजा बंद करके सो जाता था। जंगल के सभी जानवर बंदर, भालू, चूहा, खरगोश उसे रंगना चाहते थे, चूहा अंदर जाकर कुछ रंग उसके नहाने के

पानी में मिला देता है। कुछ रंग उसके तौलिये में मिला देता है।

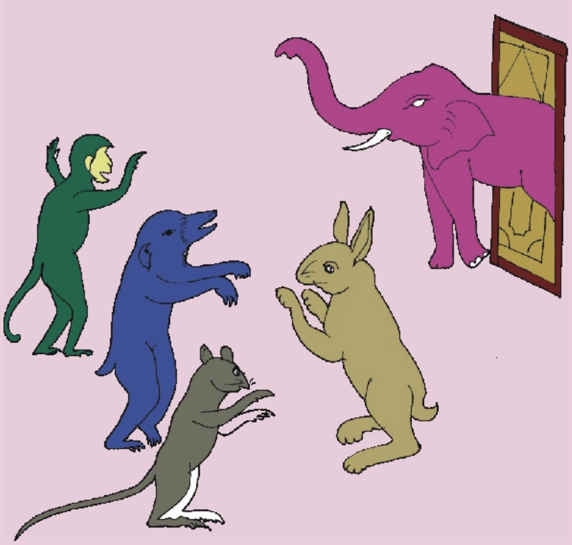

हाथी जब सोकर उठता है तब पानी में नहाता है। सफेद हाथी रंग–रंग हो जाता है। तौलिये से मुँह पोछता है, तो पूरा मुँह रंग जाता है। वह गुस्से से बाहर निकलता है, तो सभी जानवर ताली बजाते हैं और होली का त्यौहार मनाते हैं।

रसोई

अवलोकन

माचिस

चूल्हा

गैस–चूल्हा

कुकर

हँसिया

गिलास

बाल्टी

चम्मच

कटोरी

चकला–बेलन

मटका

सूपा

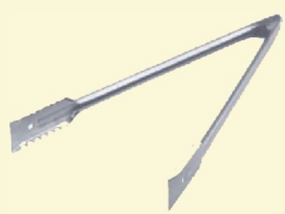

चिमटा

छलनी

रसोई

आकार क्रमीकरण

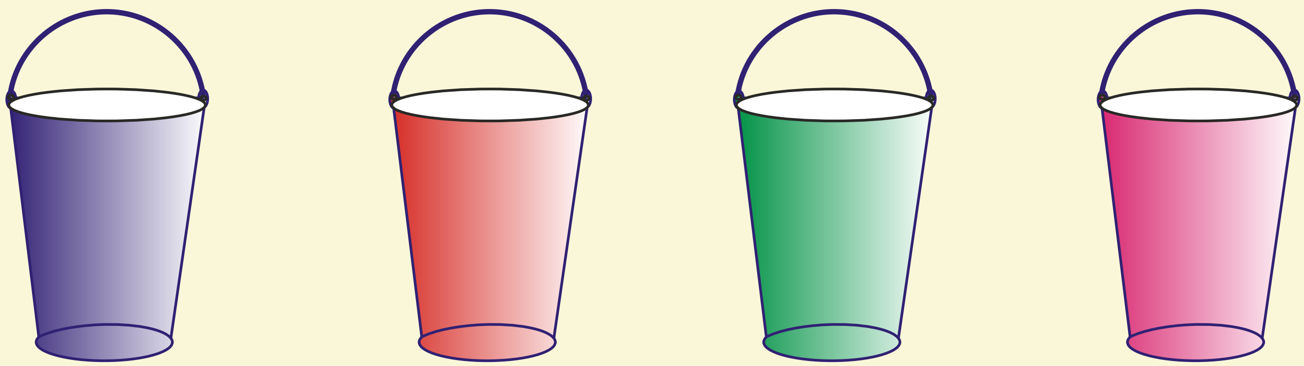

हल्का– भारी

निर्देशः– 1. हल्का–भारी का अनुभव वस्तुओं को हाथ में पकड़ाकर करें।

रसोई

छूकर पहचानना (चिकना – खुरदुरा)

कम– ज्यादा

निर्देशः– 1. विभिन्न बर्तनों को दिखाकर आकार की जानकारी देना।
2. घुलनशील क्या है? बताएँ।
3. विभिन्न चीजों का स्वाद का अहसास चखाकर करें।
4. मटका, कढ़ाई, गंजी, कांच के गिलास को बजाकर आवाज की पहचान करना।

रसोई

दृश्य विभेदीकरण

तर्क विवेचन –

किसमें खाना पहले बनेगा ?

किसमें ज्यादा पानी आयेगा ?

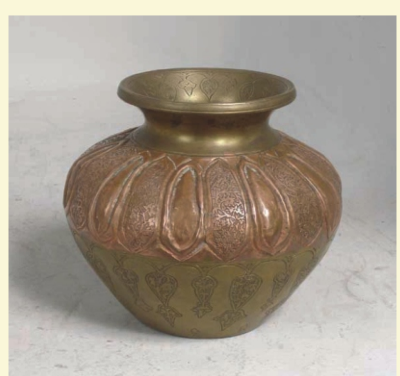

रसोई

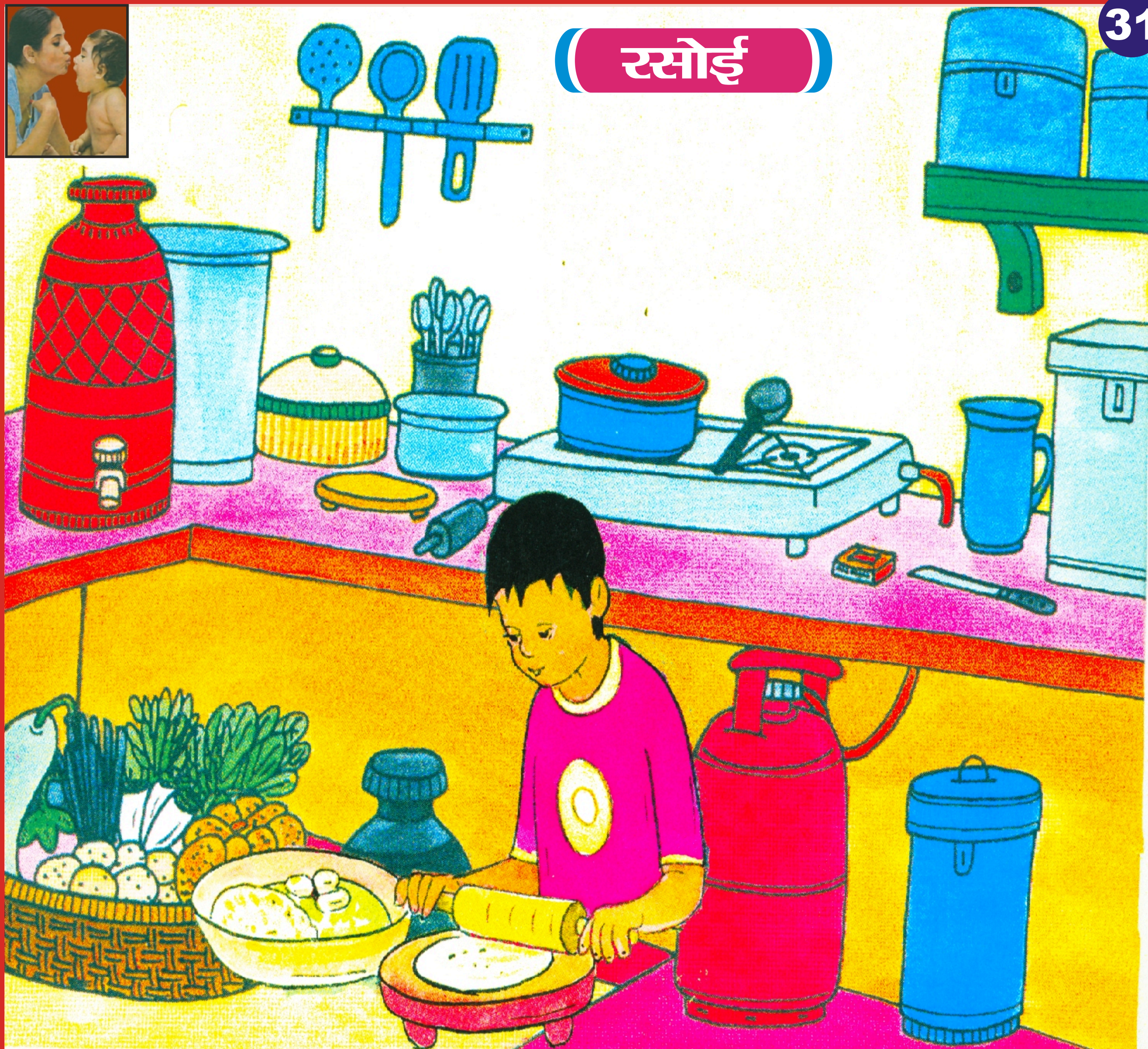

निर्देशः— 1. तुम लोग घर में क्या क्या काम करते हो ?

रसोई

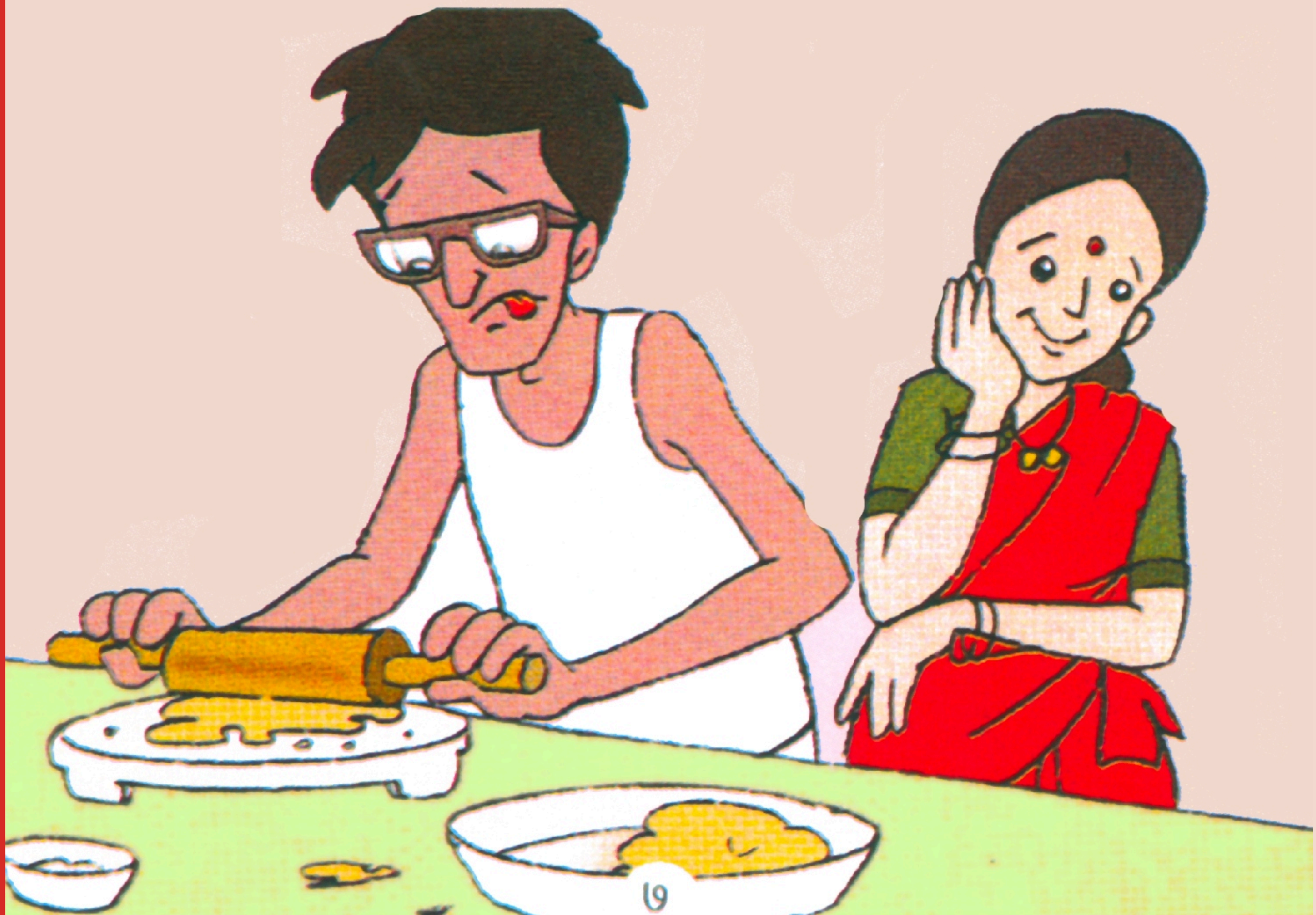

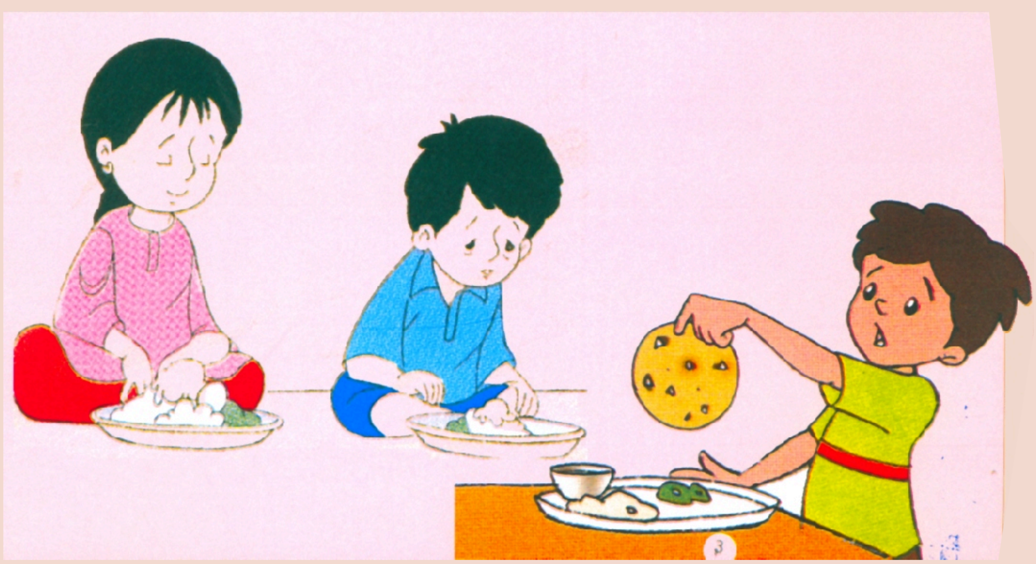

निर्देशः— 1. घरेलू काम में सहयोग करें।

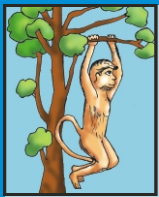

रसोई

1. रसोई के कार्यों में मदद करना।

2. पैटर्न जमाना

निर्देशः– 1. बिना गिराये चम्बू से गिलास में पानी डाले। बर्तन छोटा दिखाएँ।

रसोई

1. बिस्किट दौड़।

2. सब्जी धोने का अभिनय करना।

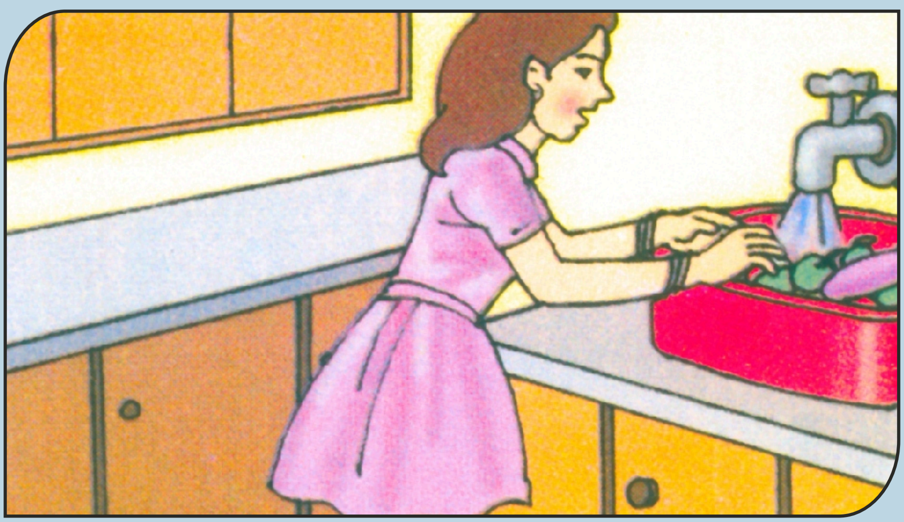

3. बाल्टी बाल का खेल।

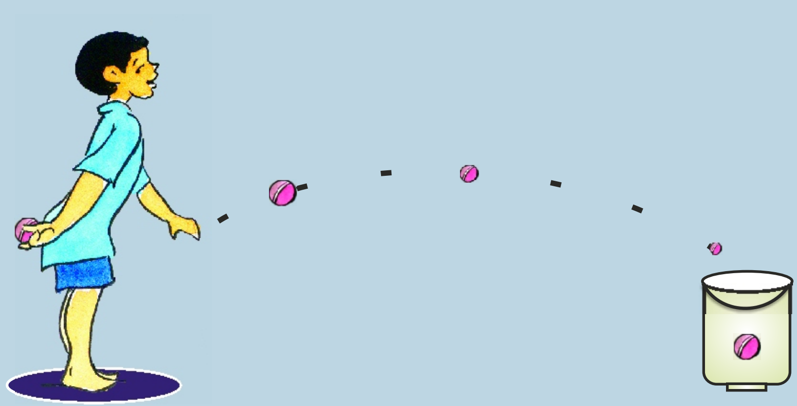

4. मटका फोड़।
5. मटर आदि छीलना।

रसोई

2. आलू कचालू बेटा कहाँ गये थे,
सब्जी की टोकरी में सो रहे थे।
बैंगन ने धक्का दिया रो रहे थे,
नीबू ने प्यार किया हँस रहे थे।।

रसोई

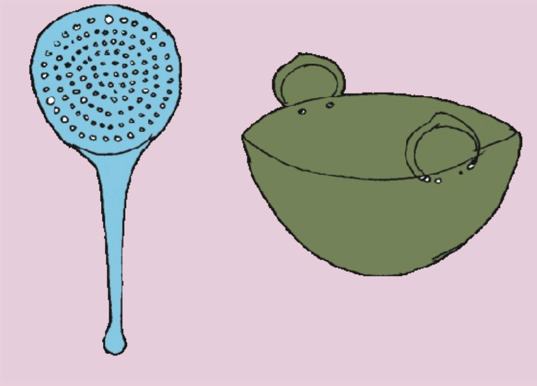

कड़ाही और झारा के बीच में बहुत प्यार था। दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रहते थे। एक दिन झारा कहता है कि मेरे बिना तुम कुछ नहीं कर सकते हों कड़ाही कहती है अरे मेरे बिना तुम कछ नहीं कर सकती हो। तेल गरम हो रहा था। उसमे पुड़ी तलने के लिए डालते हैं, लेकिन झारा भाग जाता है। पुड़ी चिल्लाती है कि मैं जल रही हूँ, मुझे बाहर निकालो। झारा आकर कहता है, देखो मेरे बिना कोई काम नहीं होता। अगले दिन आलमारी में कड़ाही छुप जाती है। घर के लोग उसे ढूँढ़ते हैं। झारा देखता है कि उसे भी कोई नहीं उठा रहा है। कड़ाही कहती है कि मेरे बिना भी किसी का काम नहीं बनता। दोनों के बीच फिर से दोस्ती हो जाती है।

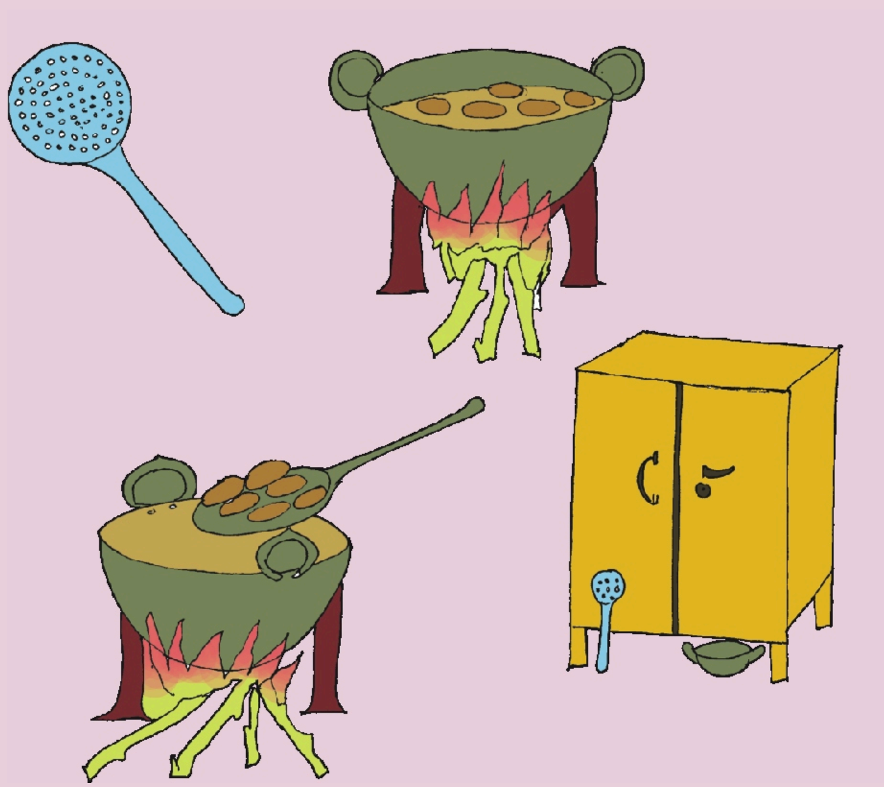

रसोई

बिन्दु मिलाओ –

अधूरा चित्र पूरा करो –

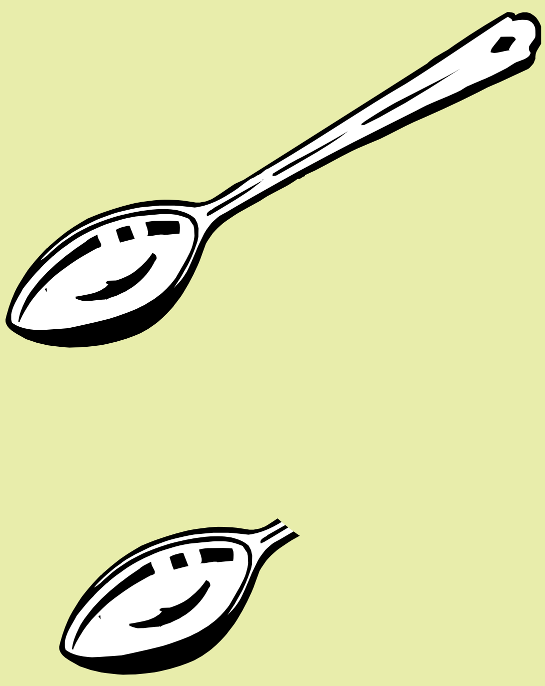

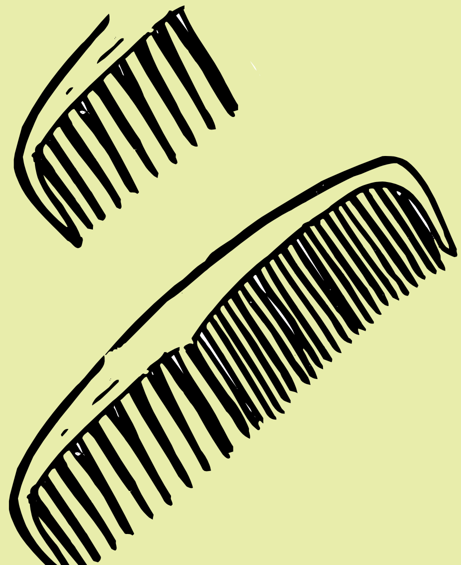

रसोई

रंग भरो–

मिट्टी से बर्तन बनाओ–

31

मटका

31

मटका

म   का

31

बाल्टी

31

बाल्टी

बा टी

31

छलनी

31

छलनी

छ ni

31

हंसिया

31

हंसिया

हं या

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

31

कुकर

31

कुकर

कु र

हमारा भोजन

अवलोकन–

पपीता

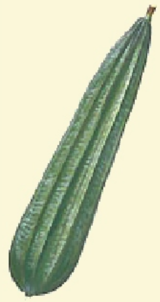

तुरई

चावल

आटा

पालक

अंडा

गेहूँ की बाली

दालें

केला

मछली

तेल

दूध

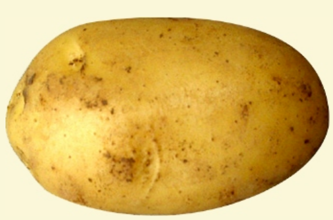

आलू

प्याज

भुट्टा

हमारा भोजन

रंग पहचानना एवं जोड़ी बनाना –

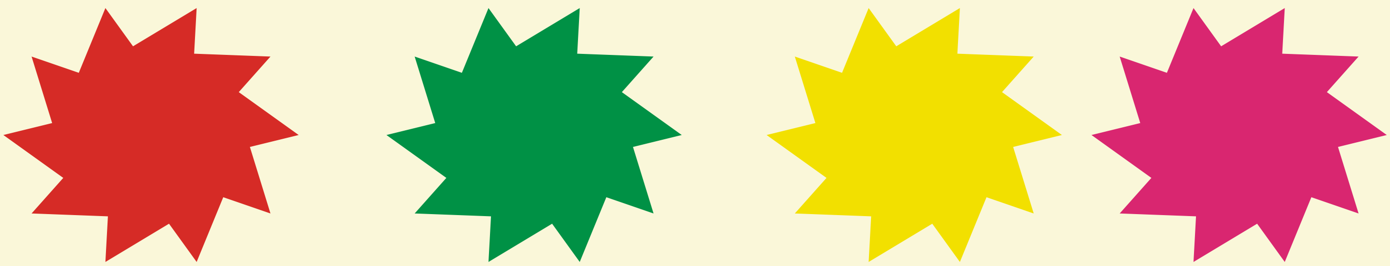

चखकर पहचानना–

छूकर पहचानना (चिकना–खुरदरा)–

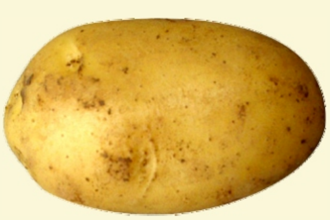

हमारा भोजन

कम–ज्यादा–

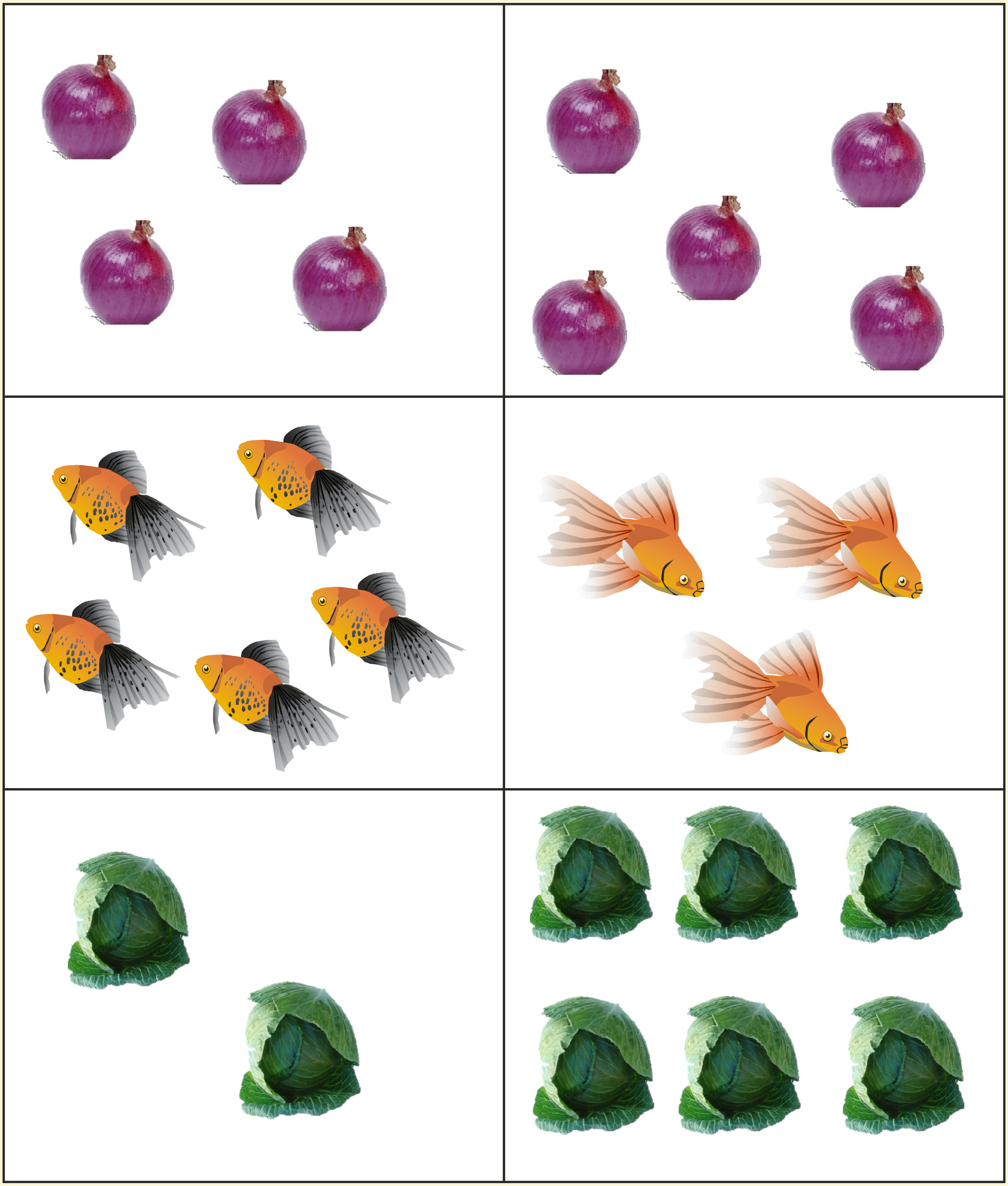

हमारा भोजन

आकार क्रमीकरण –

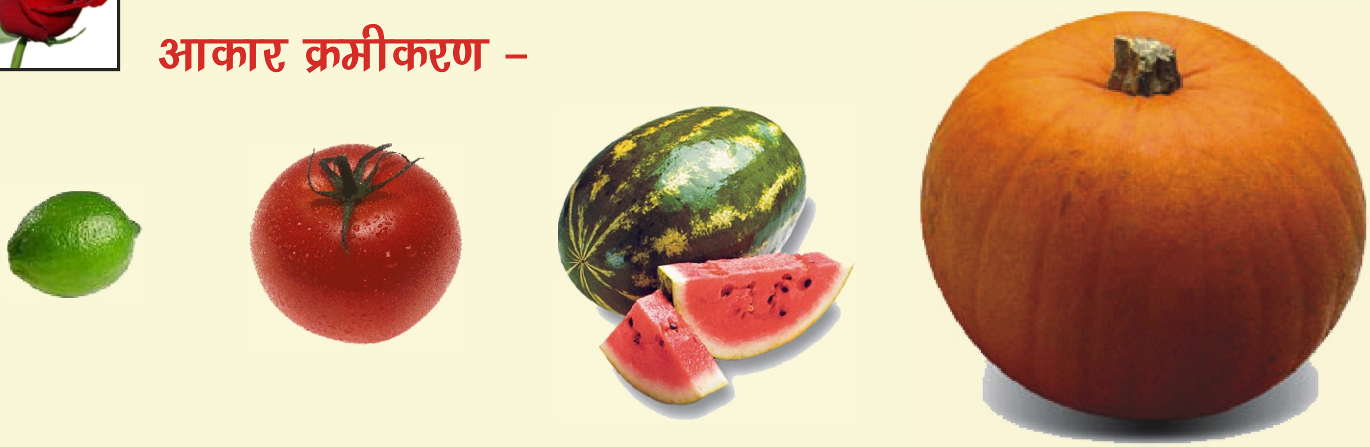

दृश्य विभेदीकरण –

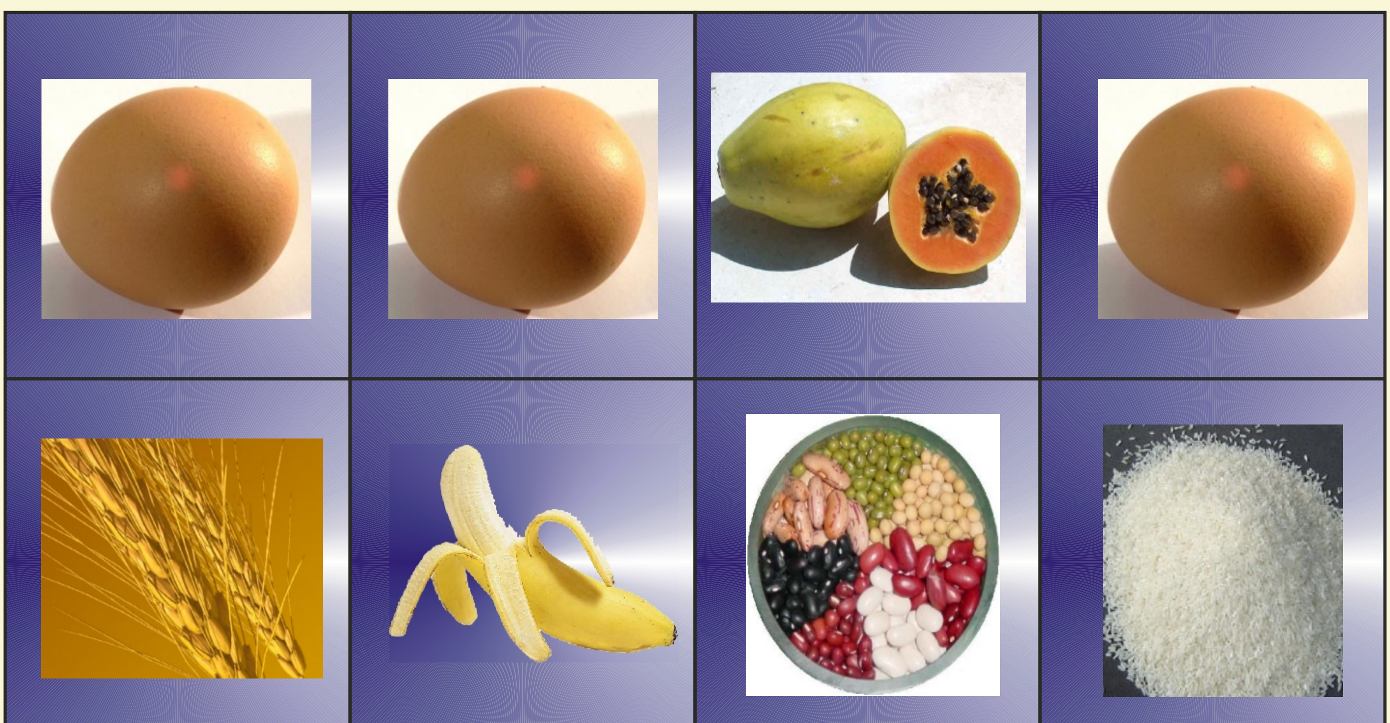

हमारा भोजन

लम्बा – छोटा –

हमारा भोजन

सूँघकर पहचानना–

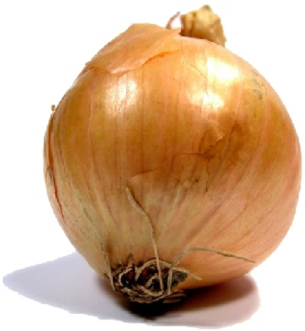

वर्गीकरण –

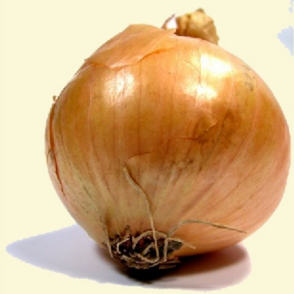

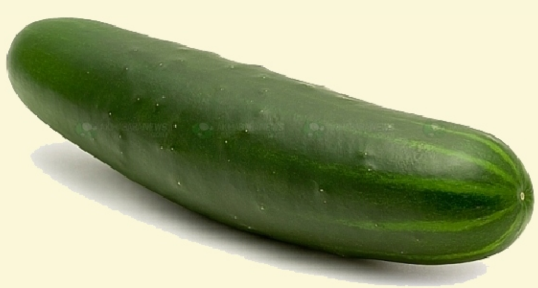

निर्देश : कच्ची एवं पकाकर खाई जाने वाली सब्जियों के आधार पर वर्गीकरण कराएँ।

हमारा भोजन

प्रश्न 1 बच्चे क्या–क्या खा रहे हैं?

प्रश्न 2 क्या आपके घर में भाई–बहन बैठकर खाना खाते हैं।

हमारा भोजन

32

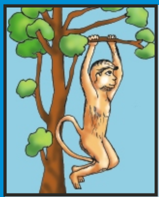

हमारा भोजन

1. फसल बोने का अभिनय करें।

2. गोबर दे बछरू गोबर दे। (फुगड़ी खेल)

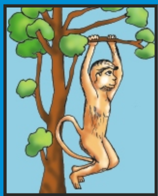

हमारा भोजन

3. फसल काटने का अभिनय

4. रोटी पकाने का अभिनय करना।

5. खाना खाने का अभिनय करना।

आलसी कौआ

एक कौआ था और एक गिलहरी थी। एक बार दोनों ने सोचा चलो हम खेती करेंगे। दोनों ने खेती के लिए तैयारी शुरू कर दी। कौआ बोला– मैं पूड़ी खाकर, पानी पीकर, सोकर आता हूँ। फिर मैं काम करूँगा । गिलहरी ने खेत में बीज बोया। बारिश के बाद पौधे बढ़ गये। फसल पक गई। अब गिलहरी फसल काटने को तैयार हो गई, परन्तु कौआ आलस्य के कारण कुछ नहीं कर पाया। गिलहरी अपनी फसल काटकर ले आई और कौआ केवल कांव कांव करता रह गया।

हमारा भोजन

गोबर दे बछरू गोबर दे,
चारों खूँट ला लीपन दे,
चारों देवरानी ला बइठन दे।
अपन खाथे गुदा गुदा, हमला देथे बीजा,
ये बीजा का करहूँ, रही जाहूँ तीजा,
तीजा के बिहान दिन, सरी सरी लुगरा।
हेर दे भौजी, कपाट के खीला,
केंव केंव करे, मंजूर के पीला,
एक गोड़ म लाल भाजी, एक गोड़ खजूर।
कतेक ल मानवँ मैं देवर ससुर,।
आले आले डलिया, पाके बुन्देलियाँ।
राजा घर के पुतरी, खेलन दे फुगड़ी।
फुगड़ी रे फू फू, फुगड़ी रे फू।

हमारा भोजन

चना कैसे बोया–कैसे बोया रे,
चना ऐसे बोया–ऐसे बोया रे।

चना कैसे काटा–कैसे काटा रे,
चना ऐसे काटा–ऐसे काटा रे।

चना कैसे फटका–कैसे फटका रे,
चना ऐसे फटका–ऐसे फटका रे।

चना कैसे पीसा–कैसे पीसा रे,
चना ऐसे पीसा–ऐसे पीसा रे।

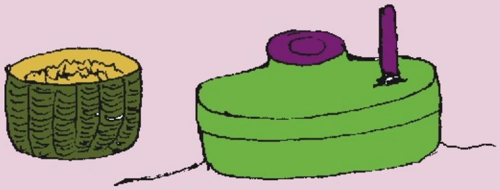

भजिया कैसे बनाया–कैसे बनाया रे,
भजिया ऐसे बनाया–ऐसे बनाया रे।
भजिया कैसे खाया–कैसे खाया रे,
भजिया ऐसे खाया–ऐसे खाया रे।

हमारा भोजन

छुट्टी हुई खेल की ,
चढ़ी कड़ाही तेल की।
सुर – सुर उड़ता बुलबुला,
सिक – सिक सिकता गुलगुला।
फूला – फूला और भुला – भुला,
मीठा – मीठा गुलगुला।

हमारा भोजन

1. रंगोली तैयार करना।

2. रेत पर चित्र बनाना।

3. चित्र पर अनाज के दाने चिपकाना।

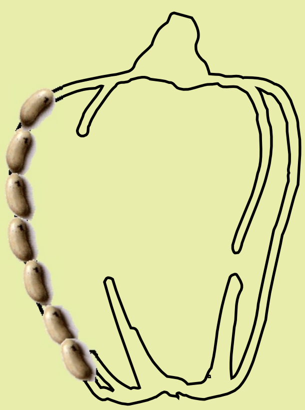

4. आलू–भिण्डी के छापे बनवाना।

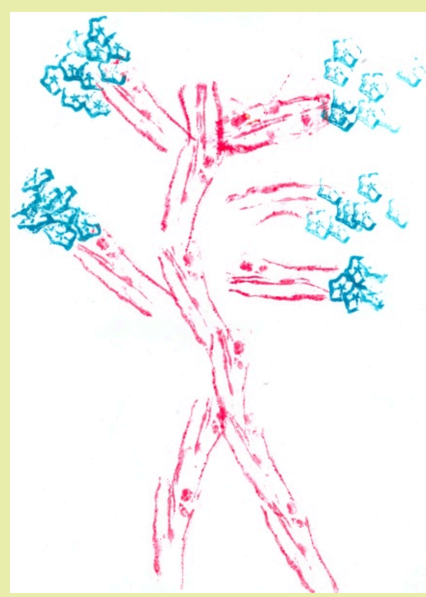

हमारा भोजन

1. अधूरा चित्र पूरा करना –

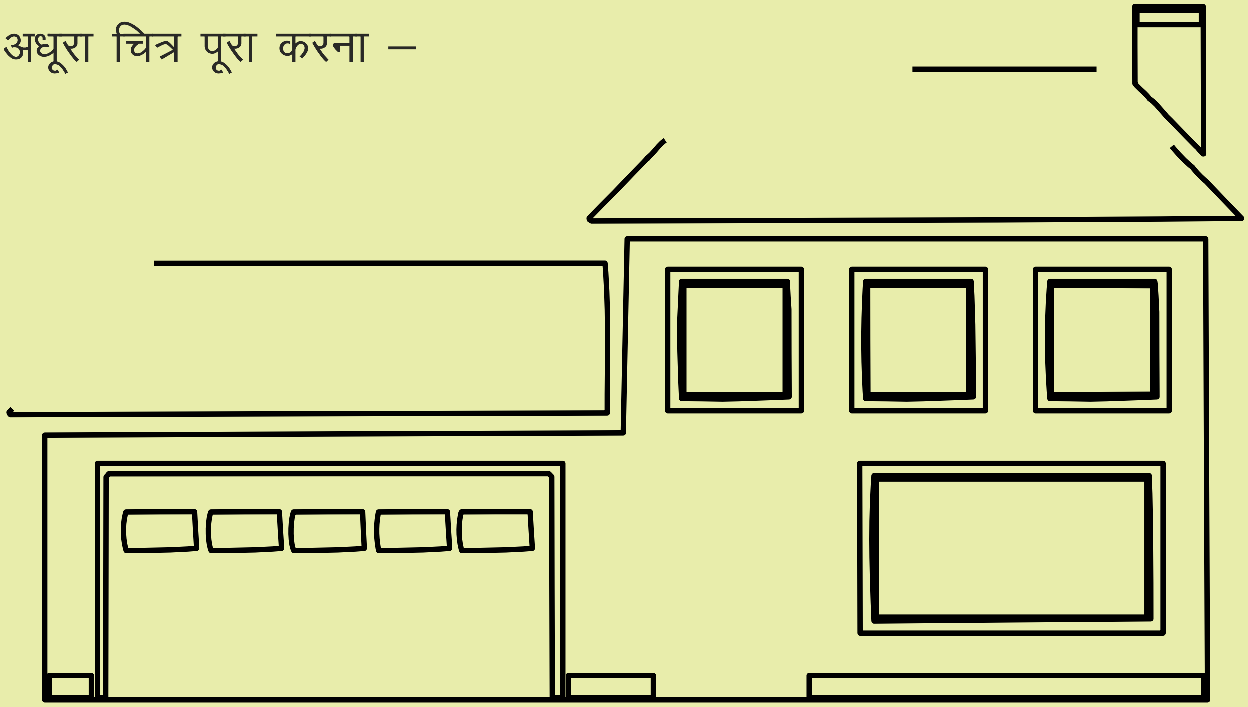

2. रंग भरो –

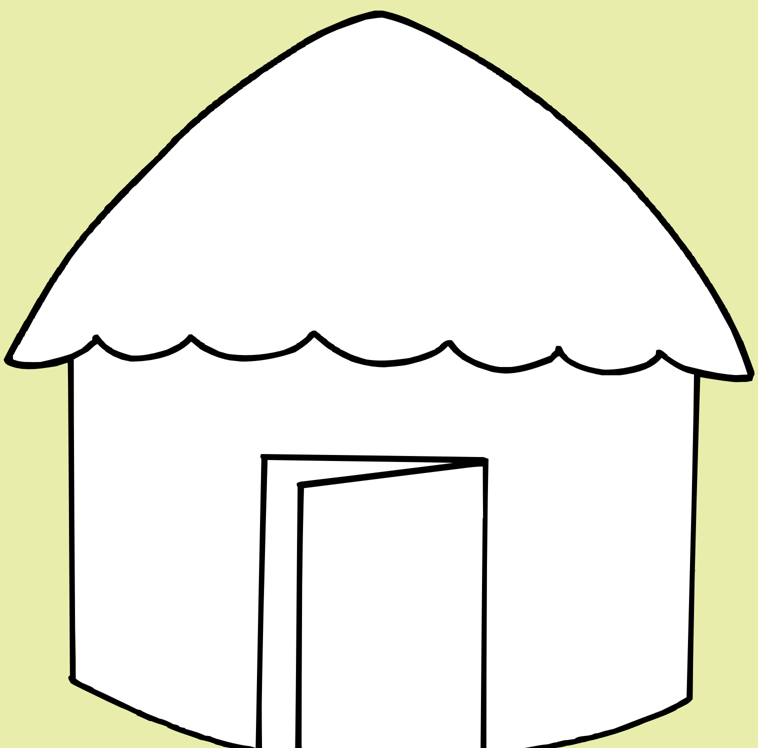

32

गेहूँ

32

गेहूँ

गे हूँ

32

शक्कर

32

शक्कर

श र

32

चावल

32

चावल

चा ल

32

पालक

32

पालक

पा क

32

नमक

32

नमक

न क

32

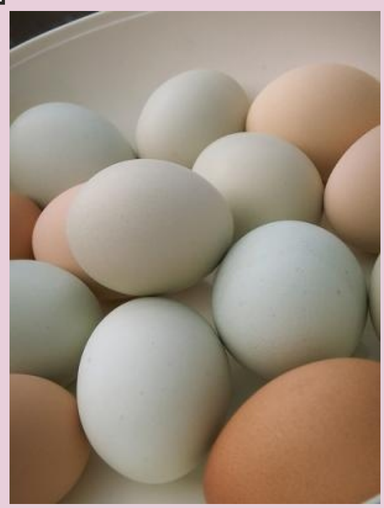

अंडा

32

अंडा

अं डा

सब्जियाँ

अवलोकन

मूली

कोचई

भाजी

करेला

नींबू

लौकी

भटा

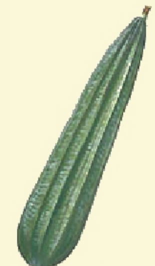
तुरई

कद्दू

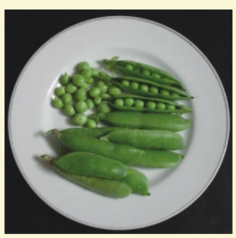
मटर

शलजम

सेमी

मिर्च

टमाटर

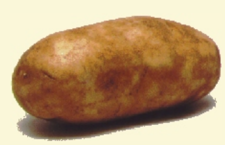
आलू

भिण्डी

बरबट्टी

पत्तागोभी

फूलगोभी

गवारफली

निर्देश:– 1. चित्र में कौन–कौन–सी सब्जियाँ दिखाई दे रही हैं। 2. आप कौन–कौन–सी सब्जी खाते हैं। 3. सब्जी कहाँ से लाते हैं। 4. क्या आपके गाँव में सब्जी की बाड़ी है।

सब्जियाँ

स्वाद पहचानना

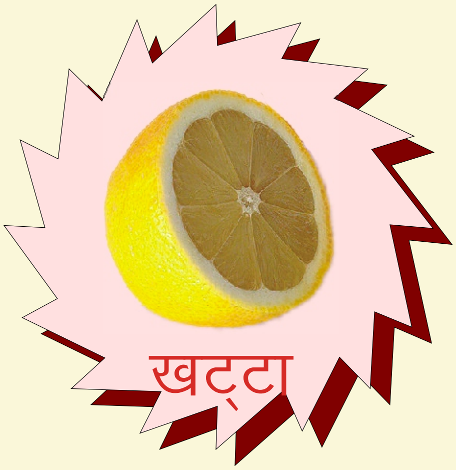

रंग पहचानना

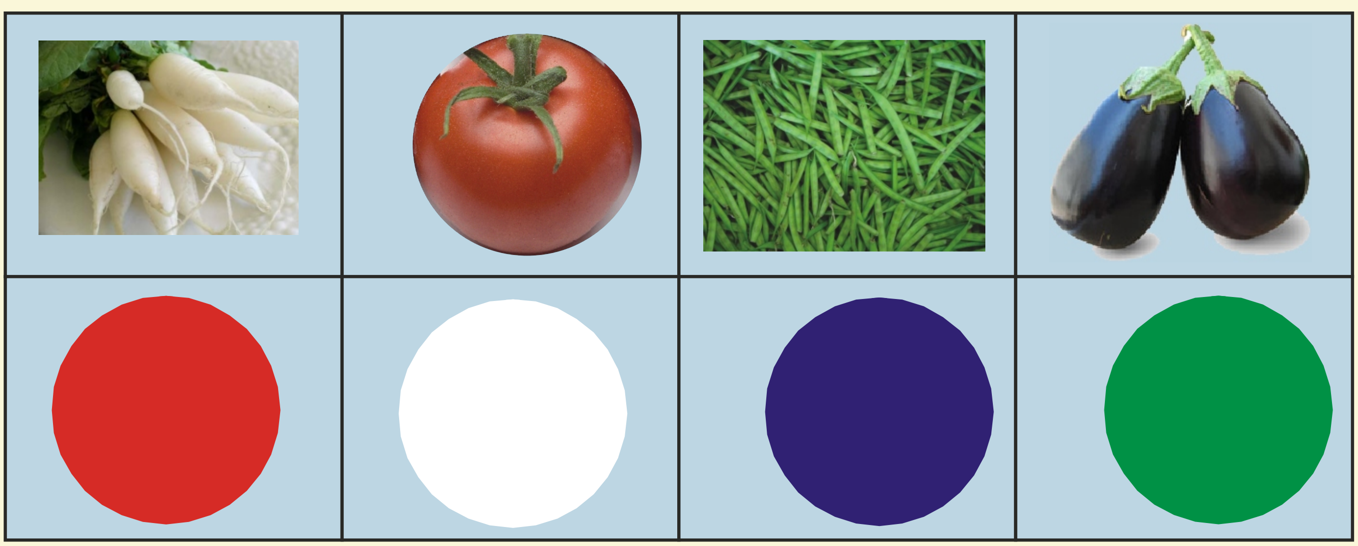

(सब्जियाँ)

आकार क्रमीकरण

दृश्य विभेदीकरण –

सब्जियाँ

छूकर पहचानना (चिकना - खुरदरा)

कम - ज्यादा

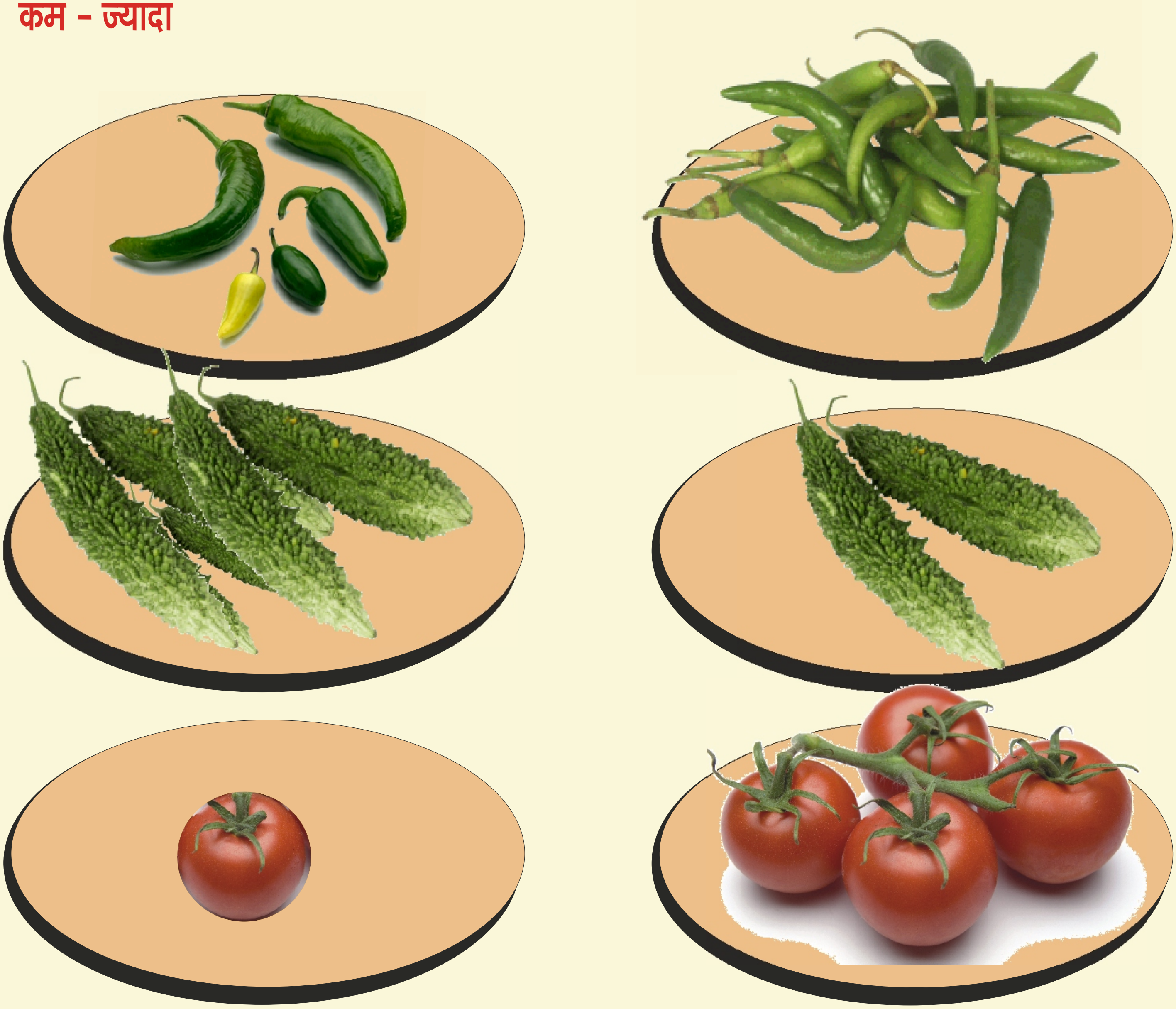

सब्जियाँ

अंतर बताओ -

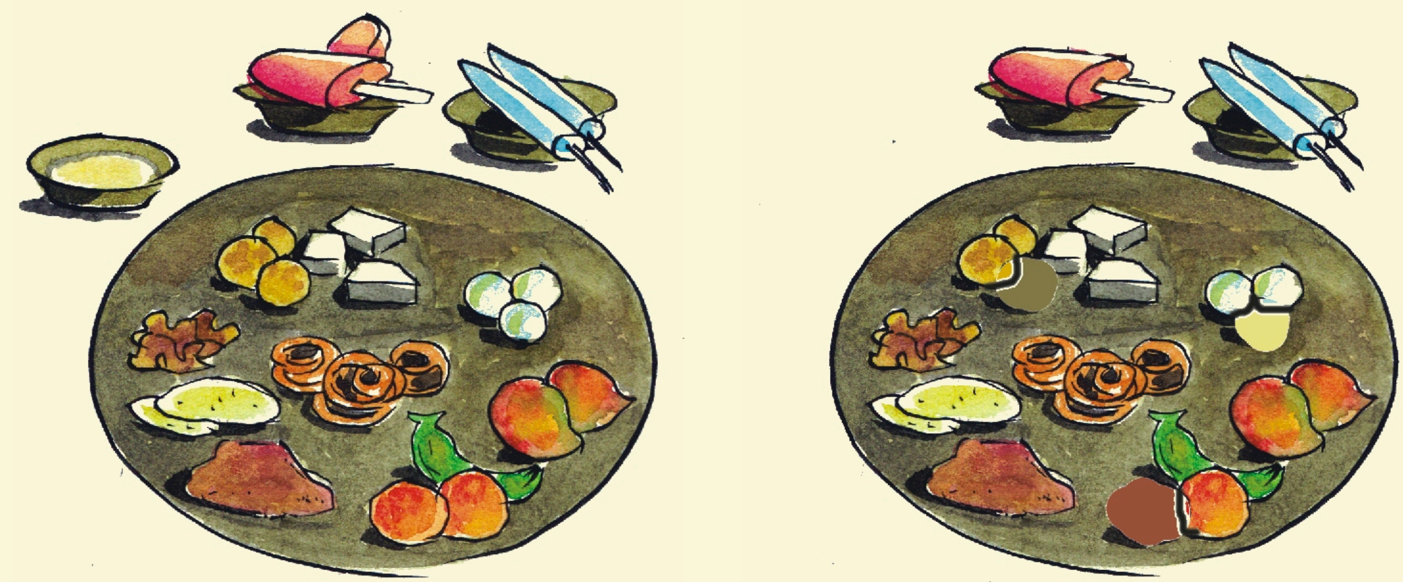

अंदर-बाहर

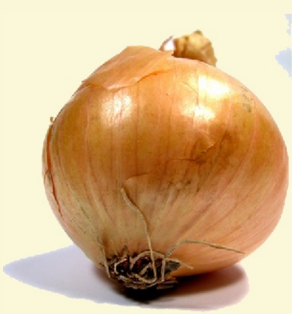

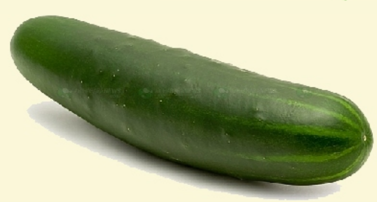

प्रश्न : जमीन के अंदर और बाहर लगने वाली सब्जियों के नाम बताओ।

सब्जियाँ

मोटा - पतला

ऊपर-नीचे

सब्जियाँ

सब्जियाँ

निर्देश : आप इनका उपयोग कैसे करते हैं।

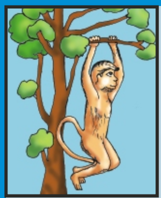

सब्जियाँ

सब्जियों का मुखौटा बनाकर दौड़ना

कद्दू

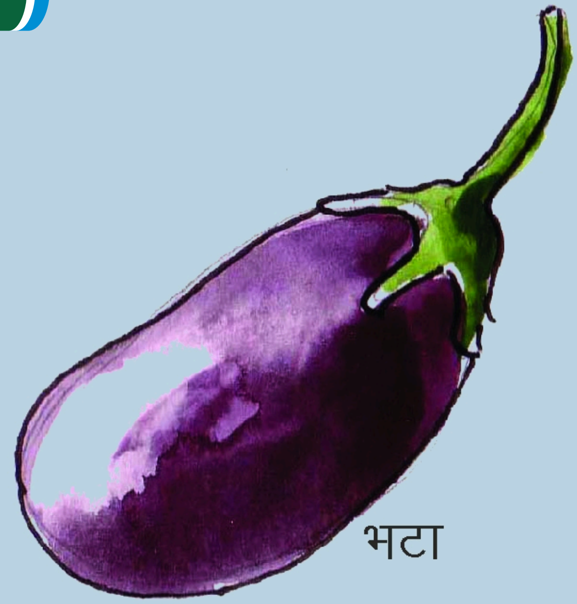

भटा

मूली

गाजर

आलू दौड़ कराएँ।

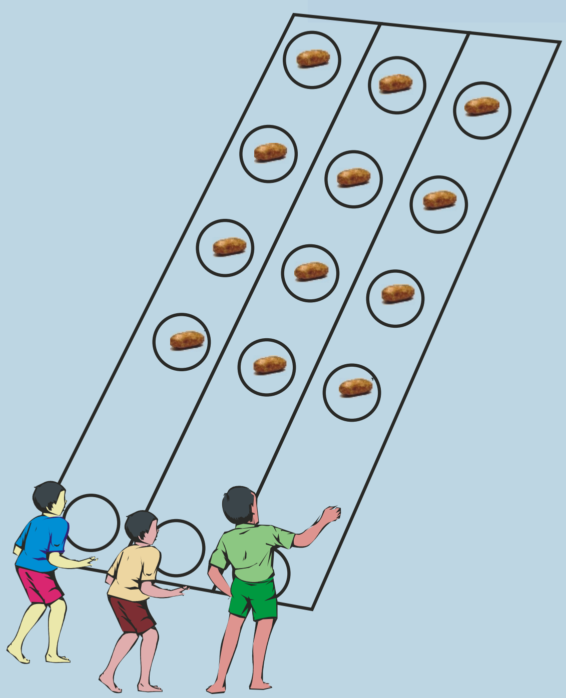

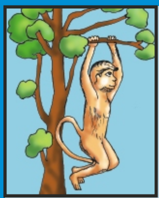

सब्जियाँ

सब्जी बेचने का अभिनय

अंकुरण बीज/पौधों में पानी डालें और उसका अवलोकन करें।
पौधे कैसे बढ़ते हैं?

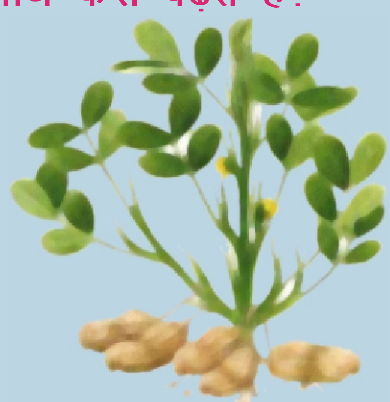

सब्जियाँ

लाल–लाल टमाटर बड़े मजेदार,
हाय–हाय टमाटर बड़े मजेदार।
जब–जब टमाटर को तोड़ने बैठे,
काटा टूटे चार लाल टमाटर.......
जब–जब टमाटर धोने बैठे,
चूड़ी टूटे चार लाल टमाटर........
जब–जब टमाटर को काटने बैठे,
चाकू टूटे चार लाल टमाटर.......
जब–जब टमाटर को खाने बैठे,
दाँत टूटे चार लाल टमाटर ....

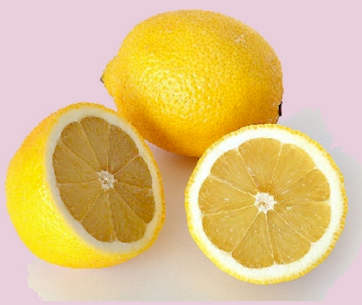

सिंहासन पर लाल टमाटर
पंखा झलते मूली, गाजर।
दरबारी हैं गोभी, आलू,
बैंगन, शलजम, प्याज, कचालू।
लौकी, भिण्डी, तोरई, टिण्डे,
मटर, गोभी सेम, चचिंडे।
मेथी, पालक, मिरची, परवल,
पहरा देते कद्दू, कटहल।

कद्दू काट मृदंग बनावें,
नींबू काट मंजीरा।
साम तुरईया मंगल गावें,
नाच दिखावें खीरा।

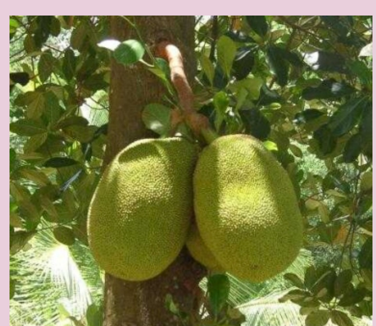

सब्जियाँ

कोमल अंगुली जैसी देखो,
सुन्दर भिण्डी हरी हरी।
कद्दू लौकी को भी देखो,
कैसी ऊपर बेल चढ़ी।
गोभी का है सुन्दर फूल,
जाना नहीं टमाटर भूल।
परवल, टिण्डा, बैंगन, सेम,
पालक, मेथी से कर प्रेम।
हरी सब्जियाँ है गुणकारी,
लगती है सबको प्यारी।

सब्जियाँ

आलू मटर का हुआ मुकदमा,
बैंगन ने दी गवाही – 2
गोभी बेचारी का तंबू तना था,
घुईयां ने खेमें बनायी – 2
तुरई बिचारी का लड़का बीमार था।
करेले ने दी दवाई – 2
मिर्ची और मूली का झगड़ा मचा था,
गाजर ने दे दी सफाई– 2
भिण्डी बेचारी अकेली खड़ी थी,
लौकी बनी उसकी मौसी – 2
सेम टमाटर सैर को निकले,
शलजम ने मोटर चलाई – 2
शलजम की मोटर बिगड़ गई तो,
कद्दू ने मोटर धकेली – 2

देखो सब्जी वाला आया,
भांति भांति की सब्जी लाया।
भिण्डी, अरबी, आलू ले लो,
गोभी टमाटर शलजम ले लो।
धनिये की चटनी पिसवाओ,
खूम मजे से खाना खाओ।

सब्जियाँ

एक बार कद्दू राजा ने फल और सब्जियों को अपने दरबार में बुलवाया। एक तरफ फल बैठे और दूसरे तरफ सब्जियाँ। टमाटर देरी से आता है और वह फल के स्थान पर बैठ जाता है। सारे फल उसे भगाते है। वह कद्दू राजा से कहता है, मैं फल हूँ। गोभी कहती है इधर आओ तुम तो हमारे साथी हो। आलू कहता है तुम्हारे बिना तो मेरी सब्जी नहीं बनती है। मटर कहता है तुम्हारे बिना तो मेरी सब्जी कोई नहीं खाता है। तुम अपने आप को फल कहते हो, सारी सब्जियाँ जोर कहती है हाँ तुम सब्जी हो, भले ही तुम फल जैसे लगते हो। कद्दू राजा कहता है कि टमाटर तुम सब्जी हो तुम्हारे साथ ही सभी सब्जियाँ बनाई जायेंगी। तुम्हें यह सम्मान दिया जाता है।

सब्जियाँ

1. अधूरा चित्र पूरा करो –

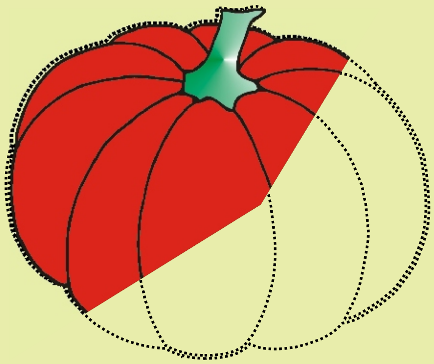

2. तोरण बनाना –

3. रेत पर आकृति बनवाना –

सब्जियाँ

4. ट्रेस करो–

5. रंग भरो –

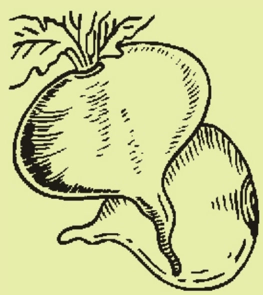

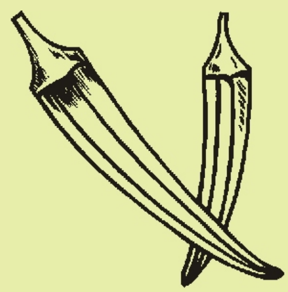

4. बिन्दु मिलाकर चित्र पूरा करो –

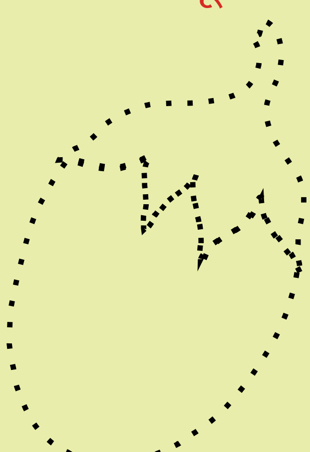

33

मूली

33

मूली

मू ली

33

लौकी

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

33

लौकी

लौ

की

33

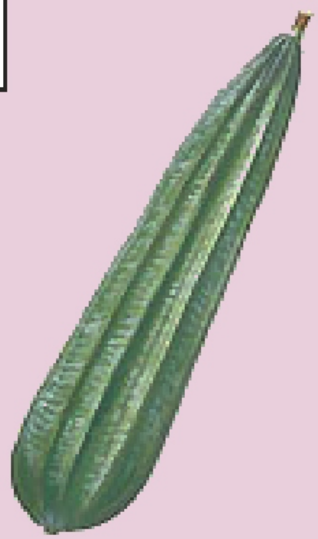

तुरई

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

33

तुरई

तु ई

33

कद्दू

33

कद्दू

क   दू

33

पत्तागोभी

33

पत्तागोभी

प भी

33

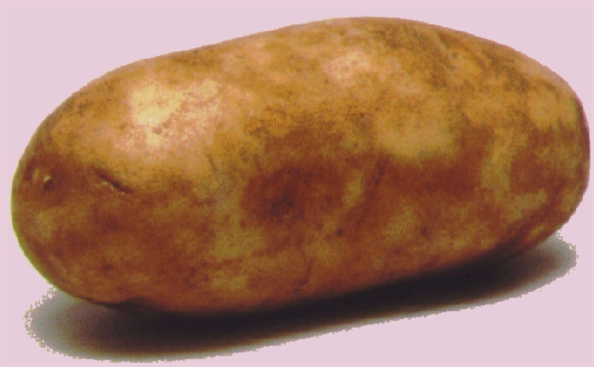

आलू

33

आलू

आ लू

33

गोभी

33

गोभी

गो भी

33

सेम

33

सेम

से म

33

करेला

33

करेला

क   ला

33

ग्वांरफल्ली

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

33

ग्वांरफल्ली

ग्वां   ली

आग

अवलोकन -

स्टोव

आग तापना

दीया

चूल्हा

सिगड़ी

मशाल

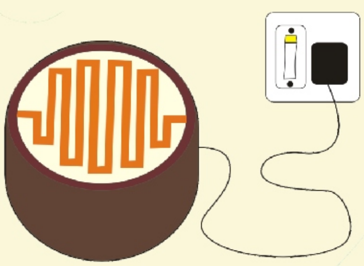

हीटर

सिलेण्डर

होलिकादहन

माचिस

पत्थरों से आग निकलना

लालटेन

आग

कम - ज्यादा-

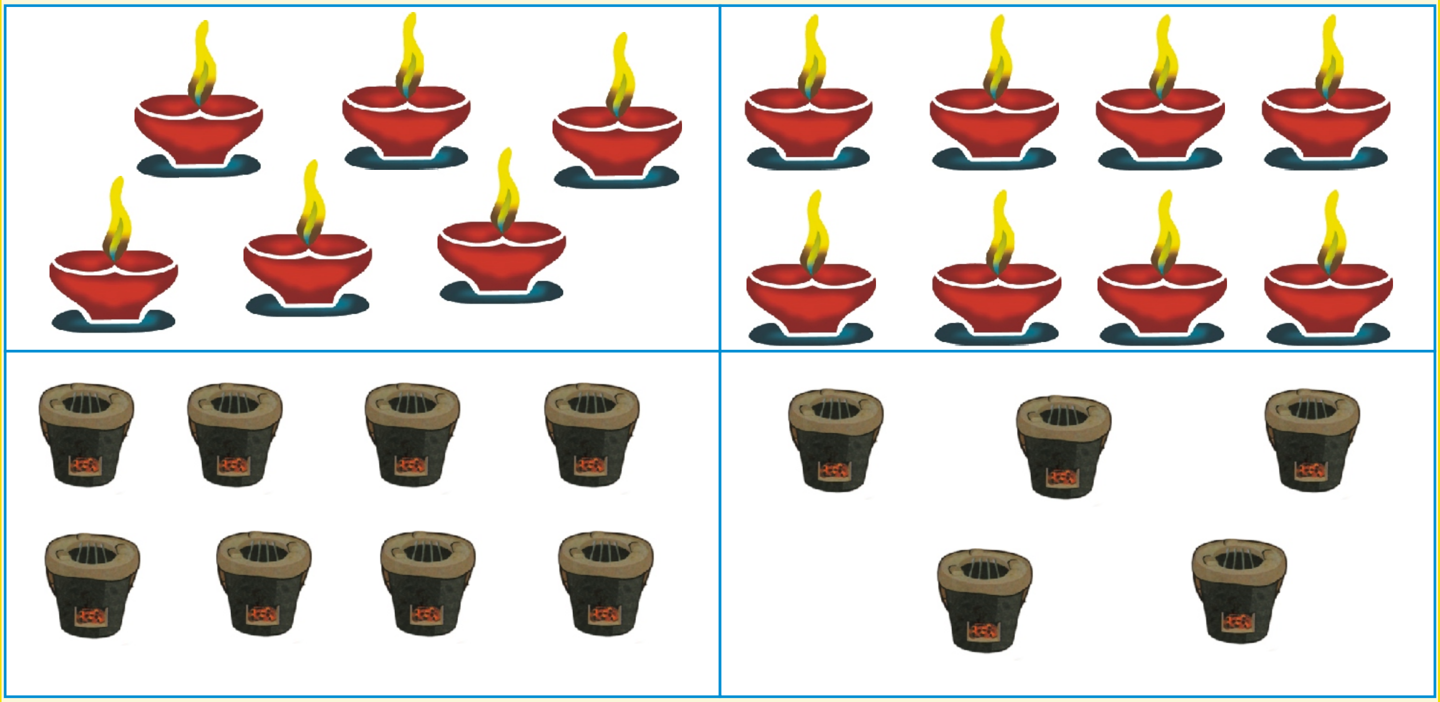

छोटा - बड़ा-

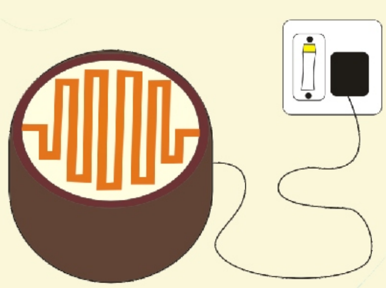

आग

दूर - पास-

तर्क विवेचन -

1. माँ बच्चे को क्यों रोक रही है?
2. आग नहीं होती, तो क्या होता?

आग

दृश्य विभेदीकरण -

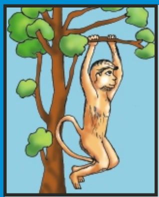

आग

1. हाथ रगड़ना । उसी से ठंडा उसी से गरम
2. दो पत्थरों को रगड़ना।
3. जंगल में आग लगी दौड़ो बच्चों दौड़ो- मूर्ति

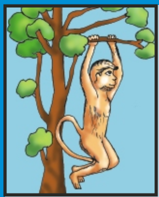

आग

4. मोमबत्ती जलाना व बुझाना।

5. मशाल लेकर चलने की अभिनय कराना।

6. आस-पास के कचरे को इकट्ठे करके जलाना।

निर्देश : आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने दिशा निर्देशन में आग से जुड़ी क्रियाएं करवाएँ।

आग

1. अग्निशामक यंत्र से आग बुझाना।

2. पैरा में लगी आग बुझाना।

आग

निर्देश :– आप कब कब परिवार के साथ बैठकर खाना बनाते एवं खाते है।

आग

देखो देखो दीवाली आई,
मीना ने फुलझड़ी जलाई।
चुनमुन चकरी लेकर आई,
मुनमुन ने फिर उसे चलाई।।

निर्देश :– मिलजुल कर खाना बनाने, खाना खाने व खेलने के आनंद पर चर्चा करें।

आग

एक जंगल था। जिसमें सभी जानवर आपस में मिल जुल कर रहते थे। एक दिन जंगल में आग लग गई। सभी जानवर डर के मारे इधर उधर भागने लगे।

तभी खरगोश ने कहा– डर कर भागने से काम नहीं चलेगा। हमें मिल जुल कर आग को बुझाना चाहिए, नहीं तो ये आग से हम सभी का घर जलकर नष्ट हो जायेंगे।

खरगोश की बात को सुन सभी जानवर अपने–अपने घरों से बरतन लेकर आए और नदी से पानी भरकर आग बुझाने लगे। हाथी भी अपनी सुंड़ में पानी भर–भरकर आग पर डालने लगा। थोड़ी ही देर में आग बुझ गई। ''सभी जानवर खुशी से झूमने लगे''

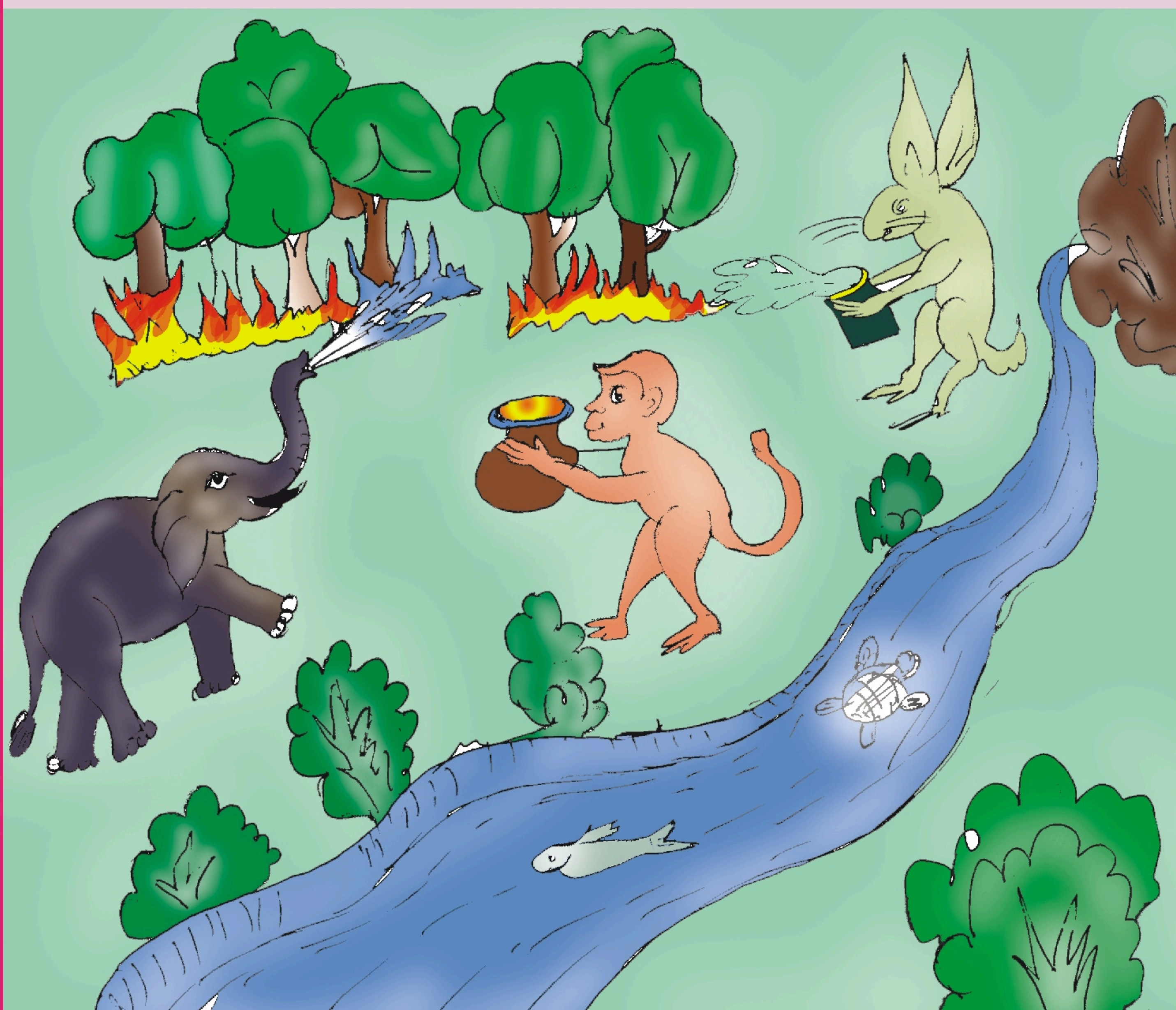

आग

अधूरा चित्र पूरा करना –

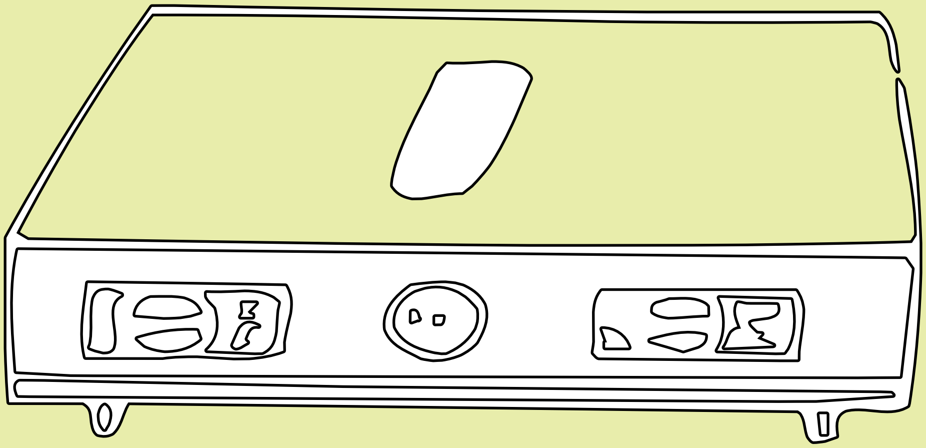

रंग भरो –

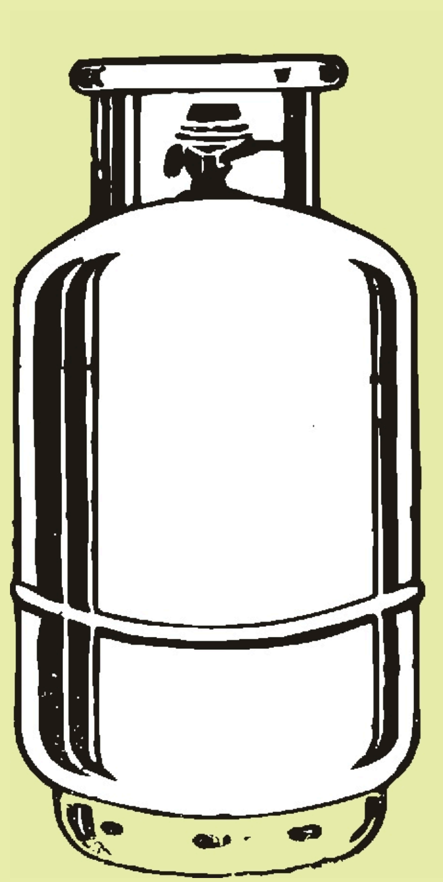

बिंदु मिलाओ–

कोलॉज वर्क –

34

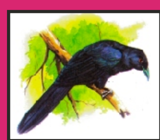

माचिस

34

माचिस

मा स

34

दीपक

34

दीपक

दी क

34

लालटेन

34

लालटेन

ला ____ न

34

चूल्हा

34

चूल्हा

चू ल्हा

जंगल

अवलोकन

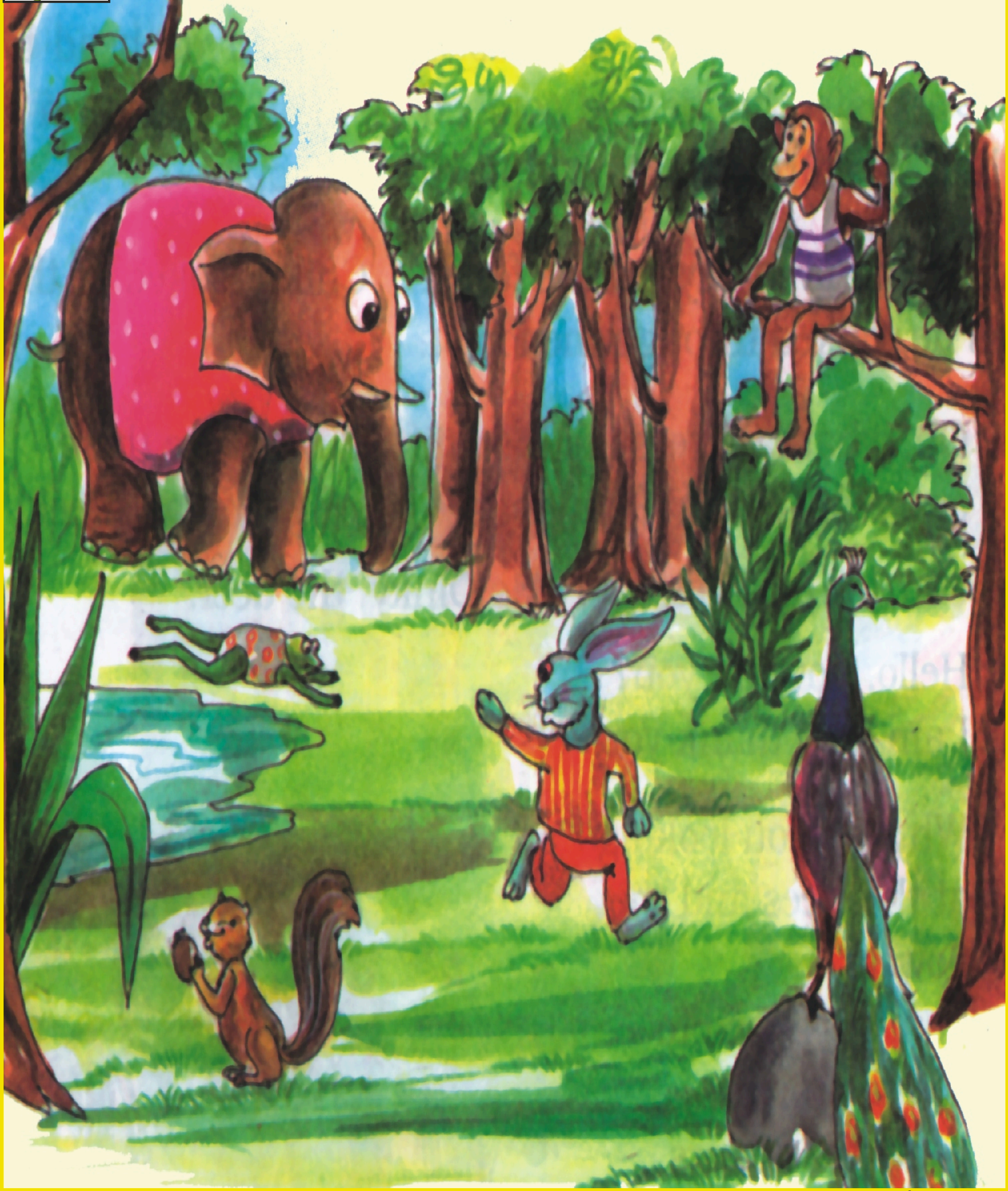

जंगल

कम - ज्यादा

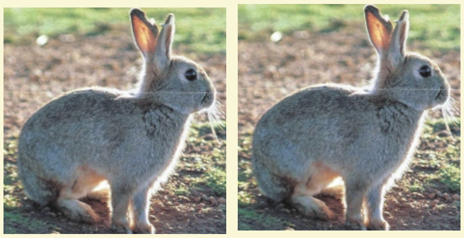

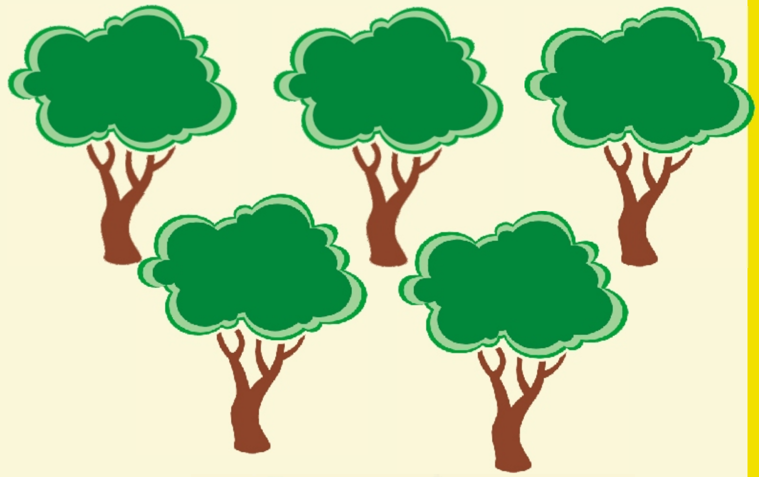

छोटा - बड़ा

चौड़ा-सँकरा

जंगल

मोटा-पतला

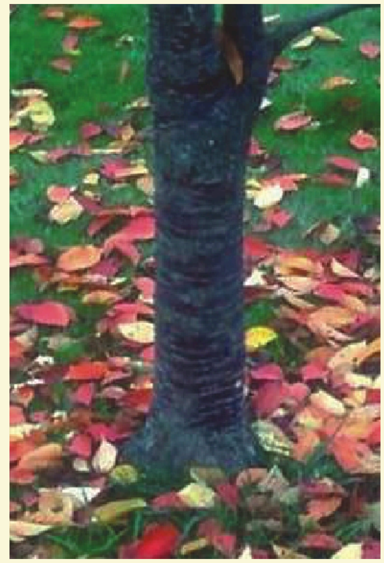

समानता बताओ

आवाज बताओ

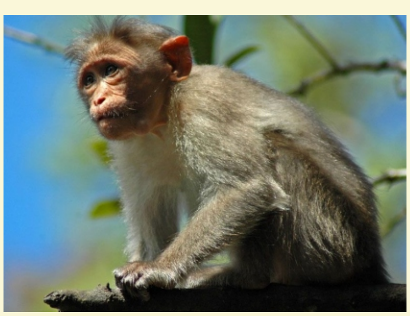

तर्क विवेचनः– नदी का पानी गाँव में आ गया, तो क्या होगा?

जंगल

रंग मिलान

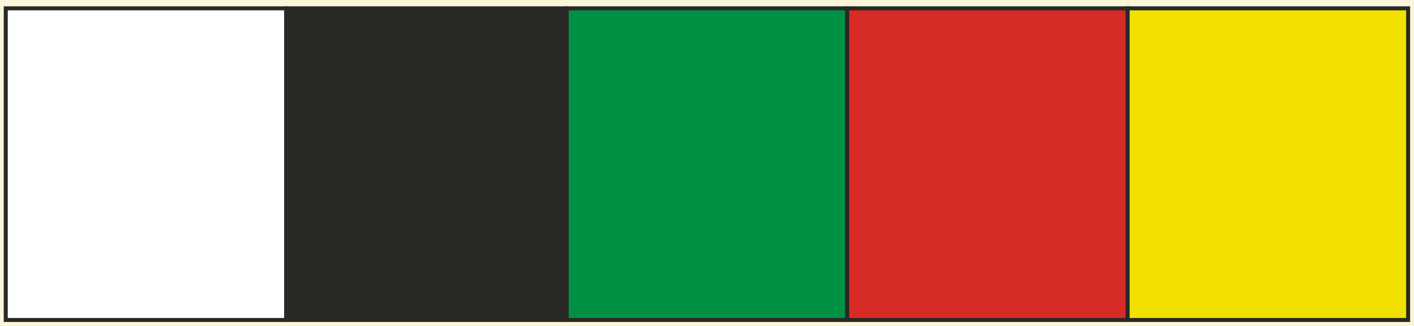

स्वाद पहचानना

क्या गायब

निर्देश : शब्द कार्ड के द्वारा क्या गायब गतिविधि कराएँ।

जंगल

निर्देश : क्या आप ऐसा करते हैं।

जंगल

जंगल

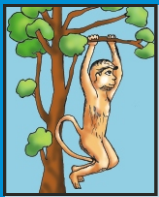

मूर्ति बनो

जंगल में आग लगी दौड़ो – बच्चों दौड़ों ——————— मूर्ति

नदी पहाड़

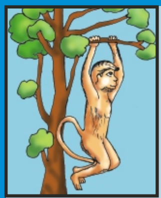

जंगल

पेड़ पर चढ़ना- उतरना

पेड़ पर झूलना

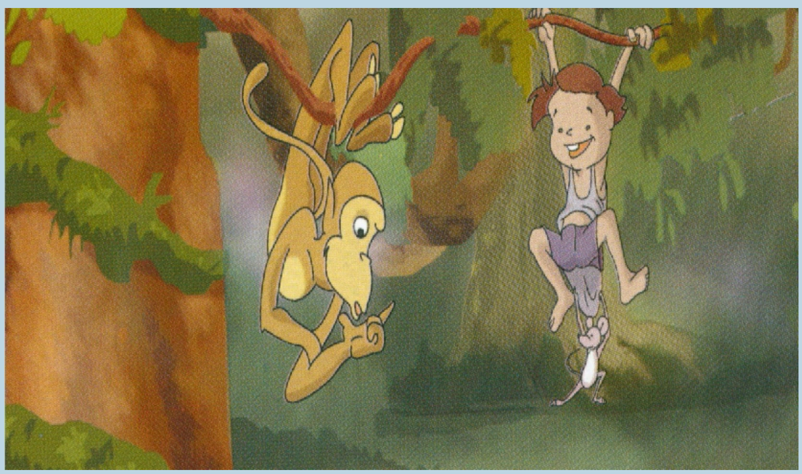

पैटर्न जमाना

जंगल

एक जंगल

एक जंगल में एक शेर था। उसके पैर में काँटा गड़ गया जिसके कारण वह चल नहीं पा रहा था। हाथी ने उसको देखकर पूछा– शेर भाई तुमको क्या हुआ है? तब वह बताता है कि उसके पैर में काँटा गड़ा हुआ है, तब हाथी अपने सूड़ से पानी भरकर उसके पैर को साफ करता है, और बंदर मामा से कहता है। शेर दुखी है। उसके पैर में काँटा लगा है। तब बंदर कहता है, लाओ मैं काँटा निकाल देता हूँ। फिर तीनों में दोस्ती हो जाती है।

जंगल

चित्र देखकर कहानी बनाओ

जंगल

जंगल में जानवर खेलते हैं, खेलते है
हम भी खेलेंगे वैसे
हाथी सूड़ हिलाता है, हम भी करेंगे वैसे
जंगल में जानवर खेलते हैं, खेलते हैं
बंदर ताली बजाता है, हम भी करेंगे वैसे
जंगल में जानवर खेलते हैं, खेलते है
खरगोश कान हिलाता है, हम भी करेंगे वैसे
जंगल में जानवर खेलते हैं, खेलते है
भालू नाच दिखाता है। हम भी नाचेंगे वैसे

जंगल

आओ आपस में मिल बच्चों
चलो–चलें हम जंगल की ओर
कहीं दिखेगा बब्बर शेर
देखेगा जो आँख तरेर
हाथी, सूंड हिलाता होगा
भालू हाथ दिखाता होगा।
खरगोश दौड़ लगाता होगा
हिरण घास पर चरता होगा
जल में होगी मछली रानी
चलो चलें हम देखें पानी।।

जंगल

चित्र देखकर चित्र बनाओ

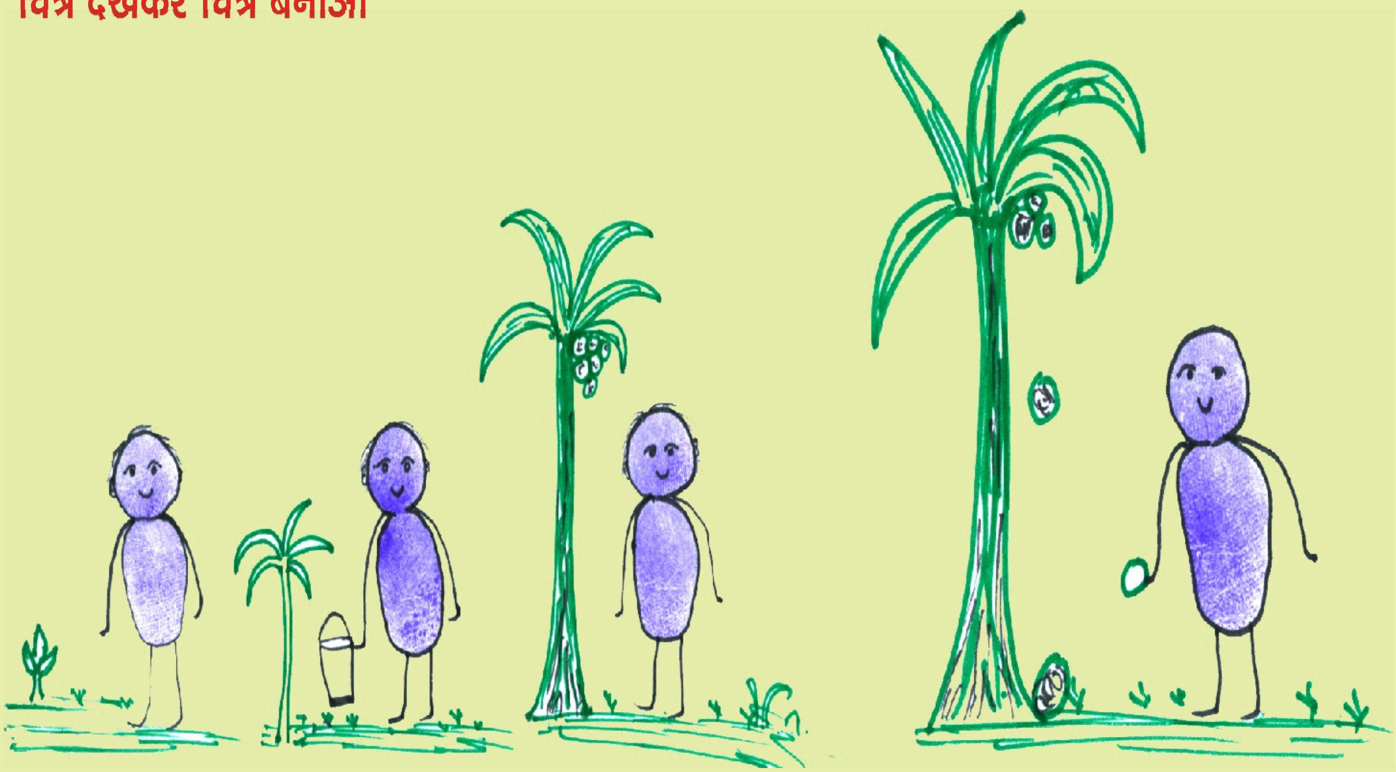

पत्तियों से आकृति बनाना।

जंगल

ट्रेस करके रंग भरना

स्प्रे वर्क करना